हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 268, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 16 मार्च, 2022 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

यूपी : इस बार योगी मंत्रिमंडल में दिखेगी मिशन-2024 की छाप

क्षेत्रीय संतुलन के साथ ही सामाजिक समीकरणों को साधने के होंगे प्रयास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ भाजपा के लिए वाकई उपयोगी साबित हुए और अब उनका नया मंत्रिमंडल इस बार पहले के मुकाबले काफी अलग हो सकता है। इस मंत्रिमंडल पर मिशन-2024 की छाप स्पष्ट दिखाई देगी। टीम योगी का हिस्सा बनने वाले चेहरों के जरिए पार्टी मिशन-2024 के लिए क्षेत्रीय संतुलन के साथ ही सामाजिक समीकरणों को साधने का प्रयास करेगी। प्रशासनिक अनुभव वाले कुछ चेहरे भी इस बार मंत्रिमंडल में दिखाई दे सकते हैं। कोशिश होगी कि विधानसभा चुनावों में जहां पार्टी की स्थिति 2017 की तुलना में कमजोर हुई वहां प्रतिनिधित्व देकर उसे मजबूती दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पीएम नरेंद्र मोदी सहित पार्टी के तमाम शीर्ष नेताओं से मुलाकात और आभार प्रदर्शन के बाद सोमवार की शाम लखनऊ लौट आए। नई सरकार के स्वरूप को लेकर दिल्ली दरबार में मंत्रणा हो चुकी है। अब देखना यह है कि तय किए गए सांचे में कौन-कौन से चेहरे फिट होते हैं। यूं तो मंत्री बनने को लेकर विधायकों ने लखनऊ से दिल्ली तक दौड़ लगाई है। काम बन जाए इसलिए तमाम प्रयास और पूजा-पाठ का भी सहारा ले रहे हैं। नई टीम में बृज क्षेत्र, मथुरा, आगरा, एटा, बदायूं, देवरिया, हाथरस जिलों को प्रतिनिधित्व मिल सकता है। वहीं पश्चिम क्षेत्र में मेरठ को भी मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व मिल सकता है। इसी तरह सहारनपुर, शाहजहांपुर, बरेली का प्रतिनिधित्व भी दिखेगा। कानपुर और गोरखपुर क्षेत्र, बलिया, फतेहपुर, काशी क्षेत्र से कई चेहरों को जगह मिल सकती है। लखनऊ और इलाहाबाद मंडल से फिर कई चेहरे मंत्रिमंडल में दिखेंगे।

दूसरी ओर पार्टी में जीते गए विधायकों को लेकर क्षेत्रवार और जातीय आधार पर आंकलन किया जा रहा है। पूर्वांचल के कई इलाकों के साथ ही पश्चिम पर इस बार खास फोकस रहेगा। पहली सरकार में बेहतर प्रदर्शन न करने वाले कई चेहरों को बदलने की चर्चा तो रही लेकिन पार्टी ने चुनाव से पहले कोई जोखिम नहीं लिया। हालांकि नवंबर में जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए कई चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह जरूर दी गई। नई टीम में खराब परफारमेंस वाले चेहरे रिपीट नहीं होंगे। योगी-1 में 60 मंत्री थे। मंत्रिमंडल में 41 जिलों की नुमाइंदगी थी। 34 जिलों को प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका था। पूर्वांचल व पश्चिमी यूपी को बराबर की हिस्सेदारी मिली थी। लखनऊ से छह, प्रयागराज 3, वाराणसी से 3, शाहजहांपुर से दो, मथुरा से दो, आगरा से दो, फतेहपुर से दो, कानपुर से दो और सिद्धार्थनगर से दो विधायक मंत्री बनाए गए थे।

चूक से पाक क्षेत्र में मिसाइल गिरने के बाद उकसा रहा चीन!

नई दिल्ली। चूक के चलते पाकिस्तान के इलाके में प्रवेश कर गई मिसाइल के मामले में भारत ने कहा है कि हम अपनी जांच पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हालांकि पाकिस्तान का कहना है कि वह इस घटना को लेकर द्विपक्षीय वार्ता करना चाहता है। जानकारों को कहना है कि घटना को लेकर चीन भी पाकिस्तान को उकसाने का काम कर रहा है। भारत ने घटना की अच्छी तरह जांच करने के लिए टीम गठित कर दी है और जांच शुरू भी हो गई है। सूत्रों का कहना है कि भारत इस घटना की तह में जाना चाहता है। शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमिटी ने इस मामले को लकर चर्चा की और सुरक्षा की तैयारियों की भी समीक्षा की।

द कश्मीर फाइल्स को प्रमोट करने से कपिल शर्मा ने किया था मना

नई दिल्ली। फिल्मकार विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स 1990 में कश्मीर घाटी में कश्मीरी पंडितों पर हुए अत्याचार को बयां करती है। यह फिल्म कई रिकॉर्ड तोड़ रही है। वहीं इस फिल्म को लेकर कॉमेडी किंग कपिल शर्मा भी विवादों में आ गए। दरअसल द कश्मीर फाइल्स फिल्म के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने कपिल शर्मा पर आरोप लगाया था कि कॉमेडियन ने अपने शो में उनकी फिल्म को प्रमोट करने के लिए इनवाइट नहीं किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स ने कपिल शर्मा को ट्रोल करना शुरू कर दिया। साथ ही कई यूजर्स ने तो कपिल के शो को बॉयकॉट करने की बात भी कही। कपिल पर लगे आरोपों पर अब अभिनेता अनुपम खेर ने चुप्पी तोड़ी है और सच बताया है। एक इंटरव्यू में अनुपम खेर ने बताया कि उन्हें द कपिल शर्मा शो में द कश्मीर फाइल्स को प्रमोट करने के लिए 2 महीने पहले इनवाइट किया गया था। खेर ने कहा कि फिल्म बहुत सीरियस मुद्दे पर बनी है, इसलिए वह शो का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे और उन्होंने कपिल को मना कर दिया। खेर ने कहा कि मैं ईमानदारी से कहूंगा कि मुझे कपिल का फोन आया था और उन्होंने इस फिल्म को शो में प्रमोट करने को कहा। खेर ने बताया कि लेकिन फिल्म का मुद्दा काफी सीरीयस है और कपिल का शो कॉमेडी का है ऐसे में इस तरह की फिल्म पर फनी शो में बात करना बेहद मुश्किल है।

टिकट बेचने के आरोप पर हरीश रावत का झलका दर्द, कहा- कांग्रेस मुझे निकाल दे

देहरादून। देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न हो गए हैं पर कांग्रेस की करारी हार को लेकर पार्टी में ही नेताओं के बीच वाकयुद्ध जारी है। उत्तराखंड में हार के बाद कांग्रेस में हाहाकार मचा हुआ है। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रणजीत रावत की ओर से टिकट बेचने के आरोप लगाए जाने से आहत पूर्व सीएम हरीश रावत की दर्द सोशल मीडिया पर छलका है।

हरीश रावत ने कहा कि वह भगवान से प्रार्थना करते हैं कि कांग्रेस उन्हें निकाल दे। उन्होंने यह भी कहा कि होलिका दहन में हरीश रावत रूपी बुराई का भी कांग्रेस को दहन कर देना चाहिए?। कार्यकारी अध्यक्ष रणजीत रावत द्वारा टिकट बेचने के आरोप पर पूर्व सीएम हरीश रावत ने बड़ा बयान दिया है। रावत ने कहा कि भगवान करे कांग्रेस मुझे निष्कासित कर दे। बकौल रावत, होली बुराईयों के शमन का एक उचित उत्सव है। होलिका दहन और हरीश रावत रूपी बुराई का भी इस होलिका में कांग्रेस को दहन कर देना चाहिए?। रावत ने कहा कि पद और पार्टी टिकट बेचने का आरोप अत्यधिक गंभीर हैं। और यदि वह आरोप एक ऐसे व्यक्ति पर लगाया जा रहा हो, जो मुख्यमंत्री रहा है। जो पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष रहा है। जो पार्टी का महासचिव रहा है और कांग्रेस कार्यसमिति का सदस्य है। आरोप लगाने वाला व्यक्ति भी गंभीर पद पर विद्यमान व्यक्ति हो। उस व्यक्ति द्वारा लगाये गये आरोप को एक अत्यधिक महत्वपूर्ण पद पर विद्यमान व्यक्ति द्वारा और उसके समर्थकों द्वारा प्रचारित-प्रसारित करवाया जा रहा हो तो यह आरोप और भी गंभीर हो जाता है। यह आरोप मुझ पर लगाया गया है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि कांग्रेस पार्टी मेरे पर लगे इस आरोप के आलोक में मुझे पार्टी से निष्कासित करे। मालूम हो कि बीते रोज कार्यकारी अध्यक्ष रणजीत रावत ने हरीश पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि रावत ने चुनाव में बड़े पैमाने पर टिकट बेचे। रावत को अब आराम करना चाहिए।

हिन्दू -मुस्लिम मिश्रित आबादी वाले इलाकों में होली पर होगी सख्त सुरक्षा ड्रोन से निगरानी

नई दिल्ली। डीजीपी मुकुल गोयल ने आगामी त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में सोमवार को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया। इसमें संवेदनशील स्थानों व मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पुख्ता पुलिस प्रबंध करते हुए मोबाइल पेट्रालिंग की व्यवस्था करने, सीसीटीवी कैमरे लगवाने तथा ड्रोन कैमरे के माध्यम से निगरानी कराने को कहा है। डीजीपी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से कहा है कि वे होलिका कमेटी, पीस कमेटी और नागिरक सुरक्षा समितियों के साथ बैठकें करके समस्याओं का पता लगाएं और जिला प्रशासन के सहयोग से कम से कम समय में उनका निराकरण कराएं। उन्होंने जिला प्रशासन एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर आकस्मिक चेकिंग कराने का भी निर्देश दिया है।

काम पर लौटा बुलडोजर : शपथ से पहले मेरठ में बड़ी कार्रवाई, कुख्यात बदन सिंह बद्दो का ठिकाना किया जमींदोज

मेरठ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के पांच दिन के अंदर ही प्रशासन ने कुख्यात अपराधियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मेरठ में मंगलवार को पुलिस, प्रशासन और एमडीए ने

दिल्ली रोड स्थित जगन्नाथपुरी में कुख्यात अपराधी बदन सिंह बद्दो के ठिकाने को जमींदोज कर दिया। मंगलवार को मेरठ में कुख्यात बदन सिंह बद्दो द्वारा जगन्नाथपुरी के पार्क पर अवैध तरीके से कब्जाई गई जमीन मुक्त कराई गई। 500 मीटर में बनी फैक्टरी में दो स्थायी निर्माण सहित अस्थाई निर्माण बनाया गया था। इस पर दो घंटे तक भारी पुलिस फोर्स के साथ चलाये अभियान में जमीन को कब्जा मुक्त कराया। पुलिस कस्टडी से फरार ढाई लाख के इनामी माफिया बदन सिंह बद्दो की करोड़ों रुपए की कोठी का भी ध्वस्तीकरण किया था। उसकी कोठी भी इसी इलाके में मौजूद थी। एमडीए जोनल अधिकारी/ अधिशासी अभियंता अरुण शर्मा ने बताया की रिकॉर्ड में रेनू गुप्ता के नाम से ये निर्माण दर्ज है। हालांकि, इस पर कब्जा बदन सिंह बद्दो ने कराया था। अब इस पर कार्रवाई की गई है। यहां एमडीए द्वारा 1500 मीटर में एक पार्क है। इस पर लोगों ने कब्जा कर रखा है। अभी अजय सहगल की भी दुकानें है। इस पर शासन स्तर से प्रक्रिया पूरी होने के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक बद्दो ने कई सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे किए हैं। उसकी फरारी के बाद पुलिस ने रिकॉर्ड खंगाला। करोड़ों रुपये की संपत्ति बद्दो ने अपने करीबियों के नाम की है। पुलिस और एमडीए ने 50 साल पुराना रिकॉर्ड खंगाला तो यह स्थिति सामने आई। आरोप है कि उसने पंजाबीपुरा वाली कोठी भाभी के नाम गिफ्ट दर्शाकर बैनामा कराया था। भाभी से पुलिस ने कोठी के बारे में जानकारी मांगी तो वह प्रमाण नहीं दे पाई। इसके बाद कोठी को पुलिस और एमडीए ने ध्वस्त कर दिया। अब पुलिस ने बद्दो की जगन्नाथपुरी में एक और संपत्ति का पता लगाया था। पुलिस का दावा है कि करीब 50 साल पहले जगन्नाथपुरी के एक पार्क पर बद्दो ने कब्जा किया था।

भाजपा में पारिवारिक राजनीति की अनुमति नहीं: पीएम मोदी

नई दिल्ली। भाजपा संसदीय दल की बैठक शुरू हो गई है। बैठक में शामिल होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंबेडकर भवन पहुंच चुके हैं। इस बैठक की शुरूआत में विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली चार राज्यों में भारी जीत के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का पार्टी सदस्यों ने माला पहनाकर सम्मानित किया। वहीं पार्टी के बड़े व दिग्गज नेता भी इस बैठक में शामिल हुए हैं, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संसदीय दल की बैठक में भाग लिया है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल, प्रह्लाद सिंह पटेल और भूपेंद्र यादव और विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन और अन्य नेता भाजपा संसदीय दल की बैठक के लिए पहुंचे हैं। बताया गया कि बैठक में पीएम ने कहा, अगर किसी का टिकट काटा गया तो यह मेरी जिम्मेदारी है। इसके अलवा पीएम मोदी ने यूक्रेन से निकासी पर भी जानकारी दी। उन्होंने सांसदों को कड़ा संदेश देते हुए कहा, 'पार्टी में पारिवारिक राजनीति की अनुमति नहीं दी जाएगी, अन्य पार्टियों में वंशवाद की राजनीति कहीं और लड़ी जाएगी।'

बच्चों में कोविड संक्रमण के हाई रिस्क को लेकर आज से 12-14 साल आयु वर्ग का शुरू होगा टीकाकरण

नई दिल्ली। बुधवार से देश में 12 से 14 साल आयु वर्ग के लिए कोविड वैक्सीनेशन शुरू हो जाएगा। केंद्र सरकार के ओर से इस आयु वर्ग के लिए काबेवैक्स वैक्सीन को मंजूरी दी गई है। इसे बायोलॉजिकल ई. लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है। इस बीच कोविड वर्किंग ग्रुप एनटीएजीआई के अध्यक्ष एनके अरोड़ा ने बताया कि इस आयु वर्ग में कोरोना संक्रमण के हाई रिस्क को देखते हुए टीकाकरण शुरू करने का फैसला लिया गया है।

बच्चों में संक्रमण की आशंकाएं तेज- अरोड़ा ने बताया कि विश्व के कई देशों में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। खासतौर से चीन और सिंहापुर में कोविड के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। ऐसे में किसी भी तरह की लापरवाही के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि देश की ज्यादातर वयस्क आबादी का टीकाकरण हो चुका है। जिसके बाद अब 12 से 14 साल के आयु वर्ग का टीकाकरण शुरू किया जा रहा है।

28 दिनों में लगेंगी वैक्सीन की दोनों डोज- गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने वैज्ञानिकों के साथ गंभीर विचार-विमर्श के बाद 12-13 वर्ष और 13-14 वर्ष आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण शुरू करने का फैसला किया है। काबेवैक्स वैक्सीन, भारत की पहली स्वदेशी रूप से विकसित रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन (आरबीडी) प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीन है। जो कोरोना संक्रमण के खिलाफ काम करती है। जानकारी के मुताबिक 28 दिनों के अंतराल में 12-14 साल के बच्चों को काबेवैक्स वैक्सीन की दो खुराकें लगाई जाएंगी। साथ ही बताया जा रहा है कि बायोलाजिकल ई लिमिटेड ने केंद्र को काबेवैक्स टीके की पांच करोड़ खुराकों की आपूर्ति की है। जिसे देश के विभिन्न राज्यों में वितरित कर दिया गया है।

तीसरी लहर के दौरान हुई प्रिकाशन डोज की शुरूआत- देश में ओमिक्रोन वैरिएंट संक्रमण के कारण आई तीसरी लहर के दौरान प्रिकाशन डोज की शुरूआत की गई। पिछली 10 जनवरी से स्वास्थ्य कार्यकताओं, फ्रंटलाइन कार्यकताओं के साथ 60 साल से अधिक आयु के लोगों को प्रिकाशन डोज देने की शुरूआत की गई।

सोनिया गांधी को अपने हाथ में ले लेनी चाहिए कांग्रेस की कमांड: वीरप्पा मोईली

नई दिल्ली। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को मिली करारी हार पर मंथन जारी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम वीरप्पा मोईली ने कहा कि सोनिया गांधी को पार्टी का फुल कंट्रोल अपने हाथ में ले लेना चाहिए। वीरप्पा मोईली ने कहा कि सोनिया गांधी के पास फ्री हेंड होना चाहिए ताकि वो अच्छा प्रदर्शन ना कर पाने वाले नेताओं को बदल सकें और पार्टी को ट्वीट कल्चर और सोशल मीडिया प्रोपेगेंडा से निकाल सकें। मोईली ने ये भी कहा कि कांग्रेस पार्टी अवसरवादी लोगों से घिर गई है वहीं पार्टी के भरोसेमंद लोग छिटक गए हैं साइडलाइन कर दिए गए हैं। वीरप्पा मोईली ने कहा कि पांच राज्यों में मिली हार पर पार्टी को जरूर मंथन करना चाहिए लेकिन किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। मोईली ने कहा कि किसी भी कांग्रेसी नेता या कार्यकर्ता को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी कांग्रेसी कार्यकताओं को एकजुट होने की जरूरत है क्योंकि आज देश को उनकी जरूरत है। गौरतलब है कि वीरप्पा मोईली उन 23 नेताओं में से एक हैं जिन्होंने पार्टी में संगठनात्मक बदलाव के लिए सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखी थी। हालांकि बाद में उन्होंने जी-23 से खुद को अलग करते हुए कहा था कि उनकी मंशा कभी भी पार्टी के टॉप लीडरशिप पर सवाल उठाने की नहीं थी। वीरप्पा मोईली ने ये भी कहा कि पांच राज्यों में मिली हार के बाद जिस तरह पार्टी के कुछ नेता मीडिया में कांग्रेस पार्टी के पतन को लेकर बात कर रहे हैं उसे देखकर उन्हें चिंता हो रही है। गौरतलब है कि पिछले दिनों विधानसभा चुनावों में हार के बाद कांग्रेस ने हार पर आत्मचिंतन करने के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई थी। पहले खबर आई कि सोनिया गांधी ने बैठक में कहा है कि वो, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से इस्तीफा देने को तैयार हैं लेकिन बाद में ये खबर गलत साबित हुई।

कांग्रेस की लीडरशिप छोड़े गांधी परिवार किसी और को मौका देकर देखिए : कपिल सिब्बल

नई दिल्ली। कांग्रेस के सीनियर कपिल सिब्बल ने गांधी परिवार को पार्टी के नेतृत्व से अलग होने को कहा है। उन्होंने कहा कि यह सही समय है जब गांधी परिवार से कांग्रेस की लीडरशिप से हट जाना चाहिए और नेतृत्व की भूमिका के लिए और किसी अन्य व्यक्ति को मौका देना चाहिए। सिब्बल का यह बयान पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार और कांग्रेस कार्यसमिति की ओर से सोनिया गांधी के नेतृत्व में अपना विश्वास दिखाने के बाद आया है। कपिल सिब्बल ने विचार-मंथन सत्र आयोजित करने के पार्टी के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि नेतृत्व "कुकू लैंड" में रह रहा है, अगर उसे आठ साल बाद भी पार्टी के पतन के कारणों के बारे में पता नहीं है। जी23 नेताओं ने 2020 में सोनिया गांधी को पार्टी में बड़े बदलावों की मांग की थी। सिब्बल कांग्रेस के पहले वरिष्ठ नेता हैं जिन्होंने मांग की कि गांधी परिवार एक नए नेता के लिए रास्ता बनाए। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार को स्वेच्छा से दूर जाना चाहिए, क्योंकि उनकी ओर से नामित बॉडी उन्हें कभी नहीं बताएगी कि उन्हें सत्ता की बागडोर जारी नहीं रखनी चाहिए। सिब्बल ने कहा कि वह न तो

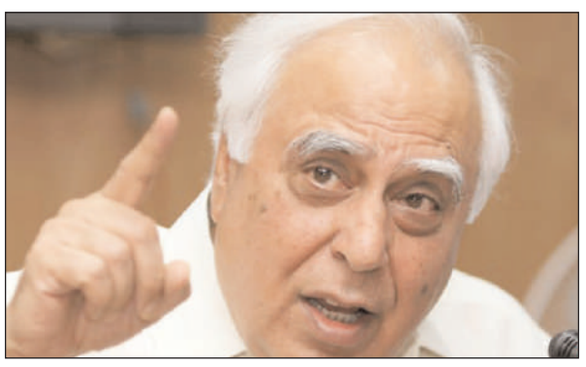

विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार से हैरान हैं और न ही सीडब्ल्यूसी के सोनिया गांधी के नेतृत्व में विश्वास दिखाने के फैसले से। उन्होंने कहा कि सीडब्ल्यूसी के बाहर बड़ी संख्या में नेताओं का दृष्टिकोण पूरी तरह से अलग है। उन्होंने कहा, "सीडब्ल्यूसी के बाहर एक कांग्रेस है। कृपया उनके विचारों को सुनें। अगर आप चाहें तो हमारे जैसे बहुत से नेता जो सीडब्ल्यूसी में नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस में एक पूरी तरह से अलग दृष्टिकोण है। क्या आपको इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि हम सीडब्ल्यूसी में नहीं हैं? कांग्रेस नेता ने कहा, "उनके अनुसार सीडब्ल्यूसी भारत में कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व करती है। मुझे नहीं लगता कि यह सही है। देश भर में बहुत सारे कांग्रेसी हैं केरल से, असम से, जम्मू-कश्मीर से, महाराष्ट्र से, उत्तर प्रदेश से, गुजरात से, जो इस तरह की राय नहीं रखते हैं। मैं दूसरों की ओर से बात नहीं कर सकता। यह मेरा निजी विचार है कि आज कम से कम मुझे 'सब की कांग्रेस' चाहिए। कुछ अन्य 'घर की कांग्रेस' चाहते हैं। मैं निश्चित रूप से 'घर की कांग्रेस' नहीं चाहता। और मैं अपनी आखिरी सांस तक 'सब की कांग्रेस' के लिए लडूंगा।

स्कूल-कॉलेज में हिजाब पहनना जरूरी नहीं

बंगलौर। हिजाब मामले में सुनवाई पूरी कर चुकी कर्नाटक हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ ने अपना अपना फैसला सुना दिया है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं को खारिज कर दिया। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाते वक्त टिप्पणी की कि हिजाब कोई धार्मिक प्रतीक नहीं हैं। हिजाब पहनना जरूरी नहीं हैं। इसका साथ ही मुस्लिम छात्र संठगन की याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी। उडुपी के एक प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज की छात्राओं के एक समूह की कक्षाओं में उन्हें हिजाब पहनने देने की मांग से तब एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, जब कुछ हिंदू विद्यार्थी भगवा शॉल पहनकर पहुंच गये। यह मुद्दा राज्य के अन्य हिस्सों में फैल गया, जबकि सरकार वर्दी संबंधी नियम पर अड़ी रही। उडुपी जिले से याचिकाकर्ता लड़कियों की ओर से पेश होने वाले वकीलों के अनुसार हिजाब मामले से जुड़े मामले को मंगलवार के लिए सूचीबद्ध किया गया था। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ऋतुराज अवस्थी, न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित एवं न्यायमूर्ति जेएम काजी की पूर्ण पीठ उडुपी की लड़कियों की याचिका पर गठित की गयी है। इन लड़कियों ने अनुरोध किया था कि उन्हें कक्षाओं में स्कूली वर्दी के

साथ-साथ हिजाब पहनने की अनुमति दी जाए क्योंकि यह उनकी धार्मिक आस्था का हिस्सा है। एक जनवरी को उडुपी के एक महाविद्यालय की छह लड़कियों ने कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई) द्वारा आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में हिस्सा लिया था। इसका आयोजन कॉलेज प्रशासन द्वारा इन लड़कियों को हिजाब में कक्षाओं में जाने से रोके जाने के विरूद्ध किया गया था।

चिंतन मनन

कांग्रेस का मंथन

पांच राज्यों में करारी हार के बाद मंथन के लिए बुलाई गई बैठक में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक फिर पुराने अंदाज में खत्म हो गई। कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस्तीफे की पेशकश की। लगे हाथ प्रियंका गांधी ने भी जिम्मेदारी छोड़ने का ऐलान कर दिया। मगर पहले से तैयार स्क्रिप्ट के मुताबिक सदस्यों ने हार की वजह सभी को बताया और गांधी परिवार को इस्तीफा न देने पर मना लिया। सवाल यह है कि क्या इससे कांग्रेस वापस जीत की राह पर आ जाएगी या देश की जनता पार्टी को फिर से स्वीकार कर लेगी। कतई नहीं। अगर कांग्रेस यह समझ रही है कि वह प्रचार में कमजोर है या जनता के बीच बात नहीं रख पा रही है या फिर प्रत्याशी चयन जिम्मेदार है, तो यह उसकी भूल है। कांग्रेस आज जो भरोसा खो चुकी है, वह कार्यसमिति की बैठक से दूर होने वाली नहीं है। उसे हमेशा याद रखना होगा कि मुकाबला भाजपा से है, जिसके पास कैडर है, जन समर्थन है। इससे भी ज्यादा नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है। हर बार हार की समीक्षा से काम नहीं चलेगा। नेतृत्व को नए सिरे से सोचना होगा। हार की कोई एक वजह नहीं होती। जिस पर मंथन कर लिया और जीतने की गारंटी मिल गई। कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम भाजपा और उसकी विचारधारा से लड़ेंगे, अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाएंगे। यह कहते हुए खडगे भूल गए कि भाजपा की विचारधारा हिंदुत्व है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी तो पिछले कुछ चुनाव में हिंदुत्व को साधने का भरसक प्रयास कर चुके हैं। अगर खड़गे कह रहे हैं कि पार्टी भाजपा की विचारधारा से लड़ेगी तो क्या राहुल और प्रियंका हिंदुत्ववादी होने का दिखावा कर रहे हैं। कांग्रेस आज जो भी कहे, मगर सच तो यह है कि वह अपनी ही विचारधारा को लेकर असमंजस में है। असल में 2019 के लोकसभा चुनाव में बमुश्किल 52 सीटें और महज पांच राज्यों में (तीन राज्यों में कांग्रेस और दो में गठबंधन) सत्ता पा सकने वाली पार्टी बन चुकी कांग्रेस अब गांधी परिवार का स्वामित्व और क्षेत्रीय नेताओं की राजनीति के बीच कहीं उलझ चुकी है। पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में क्षेत्रीय नेतृत्व में जबरदस्त कलह है। मध्य प्रदेश तो कांग्रेस के हाथ से गया ही अपनी पार्टी में टूट की वजह से। पंजाब में कांग्रेस आलाकमान की नई रणनीति ने सत्ता हाथ से गंवा दी। अब वहां भी संगठन में तलवारें खिंच गई हैं। हरियाणा में भले ही सरकार कांग्रेस की ना हो लेकिन खेमेबंदी कम नहीं है, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ खुलकर खेमेबाजी हो रही है जिसकी धुरी में कुमारी शैलजा हैं। राजस्थान में सरकार बनने के पहले दिन से अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच कद की लड़ाई रही है, जिसमें अभी तक गहलोत अपने तजुर्बे के दम पर 21 ही साबित हुए हैं, लेकिन पिछड़ों को नेतृत्व देने की राह पर चल पड़ा कांग्रेस आलाकमान आखिर कब तक गुर्जर समाज से आने वाले सचिन पायलट की नाराजगी को दरकिनार करता रहेगा या फिर यहां भी चुनाव से ठीक पहले सत्ता की तस्वीर को बदल दिया जाएगा जो कि पायलट गुट को बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। गांधी परिवार का स्वामित्व और क्षेत्रीय नेताओं की राजनीति के बीच की खाई को पाट पाना अब संभव नहीं है, क्योंकि इस फेहरिस्त में वह सब नाम शुमार हैं जिन्होंने गांधी परिवार से आने वाले अपने नेताओं के लिए लाठियां भी खाई हैं और जिंदगी के कई दिन जेलों में भी बिताए हैं, तब गांधी परिवार सत्ता की धुरी था आज एक अदद विपक्ष बनने को मोहताज है। पार्टी लगातार दो लोकसभा और अब पांच राज्यों के चुनाव हारने के बाद संकट से गुजर रही है और ऐसे में नए नेतृत्व पर विचार होना ही चाहिए। कांग्रेस में गांधी परिवार के बाहर पार्टी की कमान संभालने की काबिलियत रखने वाले लोग तो बिलकुल हैं, लेकिन पार्टी ही उनका नेतृत्व स्वीकार करेगी या नहीं इस पर संदेह है।

हो जाए कुछ नया !

लेकर ताजपोशी को ।
हुई सियासत तेज ।।
हो जाए कुछ नया ।
उत्साह से लबरेज ।।
खींचतान चल रही ।
बदलो अब कमान ।।
ना करना खिलवाड़ ।
अपना भी सम्मान ।।
करना कुछ अलग ।
करो नया अब पेश ।।
मान-मनौव्वल चल रहा ।
बड़ी हो रही रेस ।।
इंतजार की इंतेहा ।
आने लगे बयान ।।
लग गई है होड़ ।
बनने को महान ।।

-कृष्णेन्द्र राय

यूपी में लौटा 'बुलडोजर बाबा' का राज

उत्तर प्रदेश ने जो राजनीतिक संदेश दिया है अपने आप उसके मायने बेहद अलग है। प्रतिपक्ष की लाख कोशिशों के बावजूद भी भारतीय जनता पार्टी भारी बहुमत से सरकार बनाने में कामयाब रहीं। दोबारा सत्ता में वापसी कर भाजपा ने साफ संदेश दे दिया कि है कि उसके मुकाबले विपक्ष कहीं नहीं ठहरता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता बरकरार है। भाजपा जातिवाद की राजनीति को ध्वस्त कर पुनः सत्ता में वापसी की है। उत्तर प्रदेश की राजनीतिक में यह बहुत बड़ी सफलता है। योगी आदिनाथ ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो 37 सालों में दोबारा शपथ ले रहे हैं और सत्ता में वापसी कराएं। कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया है। भाजपा ने कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी के साथ सपा को यह संदेश देने में सफल हुई है कि प्रदेश में अब विकास विश्वास की राजनीति ही सफल होगी जातिवाद का कोई स्थान नहीं है।

राज्य में भाजपा की वापसी के पहले समाजवादी और बहुजन समाज पार्टी का सियासी दबदबा था। राममंदिर आंदोलन के बाद भाजपा सत्ता में जबरदस्त वापसी कि थी लेकिन मंडल की राजनीति ने उसे गायब कर दिया। राज्य में 90 के दशक के बाद कांग्रेस कि वापसी नहीं हो पाई। 40 साल तक उत्तर प्रदेश की सत्ता में रहने वाली कांग्रेस हर चुनाव में अपना जनाधार खोती चली गई। कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता के लबादे में इतना उलझी कि मंडल-कमंडल की राजनीति में उसका अस्तित्व ही खत्म हो गया। इसके बाद कांग्रेस सत्ता में फिर वापस नहीं हो पाई। उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले जातिवादी राजनीति चरम पर थी। राज्य में राम मंदिर आंदोलन के बाद भाजपा की सत्ता में वापसी हुई। लेकिन इसके बाद यहां सपा-बसपा की जातिवादी राजनीति हावी रहीं।लेकिन 2014 में केंद्र की सत्ता में भाजपा की वापसी के बाद जहां राज्य में कांग्रेस खत्म होती चली गई वहीं उत्तर प्रदेश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी ने जबरदस्त वापसी की।

उत्तर प्रदेश में भाजपा को घेरने के लिए सपा -बसपा कांग्रेस ने कई प्रयोग दुहराए लेकिन उसका कोई खास प्रभाव नहीं दिखा। क्योंकि विपक्ष चाह कर भी आंतरिक रुप से टूटा और बिखरा था जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। केंद्र और प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार होने की वजह से विकास पर भी काफी गहरा प्रभाव पड़ा। जिस मुद्दों से कांग्रेस बचती थी भाजपा उसे फ्रंटफुट पर खेला। राम मंदिर, धारा 370, तीन तलाक, एनआरसी और हिंदुत्व जैसे मुद्दों को धार दिया। 'सबका साथ सबका विकास' वाले मंत्र को अपनाकर भाजपा आगे बढ़ी और कामयाब हुई। उत्तर प्रदेश में भाजपा जितनी मजबूत हुई विपक्ष उतना कमजोर हुआ। वर्तमान समय में बदले सियासी हालात में विपक्ष को गंभीरता से विचार करना होगा। उत्तर प्रदेश में भाजपा के मुकाबले विपक्ष कहीं दिख नहीं रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि 2022 के आम चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत ने 2024 का भी मार्ग प्रशस्त कर दिया है। क्योंकि विपक्ष के तमाम प्रयासों के बावजूद भी भाजपा को घेरने में वह कामयाब नहीं हो सका है।

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी दलित विचारधारा की मुख्य पार्टी मानी जाती रही। मायावती चार-चार बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। लेकिन बहुजन समाज पार्टी इतनी जल्द कमजोर हो जाएगी इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। देश में आज जिस तरह कांग्रेस गुजर रहीं है वहीं हालत बहुजन समाज पार्टी की है। हालांकि आज भी दलित मत उसके साथ है, लेकिन अब उसकी संख्या भी कम हो चली है। सिर्फ दलितों के भरोसे वह चुनाव को नहीं जीत सकती है। 2007 सोशलइंजीनियरिंग के जरिए अगड़े और दलितों को लेकर उन्होंने सरकार बनायी थी। लेकिन इस बार के आम चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की जो दुर्गति हुई है वह चिंतनीय। चुनाव परिणाम को देखकर साफ होता है कि दलित विचारधारा की मुख्य पार्टी का अस्तित्व खत्म हो चला है। मायावती अभी तक कोई सियासी उत्तराधिकारी नहीं दे सकी हैं। साल 2017 में 19 सीटों पर जीत हासिल करने वाली बहुजन समाज पार्टी एक सीट पर सिमट गई। उसे करीब 12.9 फीसदी मत मिले। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने जमीनी मेहनत किया लेकिन उनके कार्यकताओं ने जोश में होश खो दिया। अति उत्साह में समाजवादी कार्यकताओं ने जिस तरह सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुए उसका खमियाजा उसे भुगतना पड़ा। अखिलेश यादव की तरफ से बहुत अच्छी मेहनत की गई लेकिन परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहा। फिर भी अकेले दम पर उन्होंने जो मेहनत की वह प्रशंसनीय है। राज्य में सपा ने 35 फीसदी वोट हासिल करके भी सत्ता में वापसी नहीं कर पाए। 124 सीटों पर संतोष करना पड़ा। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी 41.3 फीसदी से वोट हासिल कर 274 सीटों पर भगवा लहरा दिया। हालांकि 2017 के मुकाबले भाजपा को 46 सीटों का नुकसान हुआ है जबकि सपा को 70 सीटों का फायदा मिला है।

प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस 2017 का भी प्रदर्शन दोहराने में कामयाब नहीं हुईं। उसने सिर्फ दो सीटें मिली जबकि पांच सीटों का घाटा हुआ। कांग्रेस को ढाई फीसद मत हासिल हुए। कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व के लिए यह मंथन का विषय है। निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाजपा ने नया इतिहास लिखा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुलडोजर बाबा के नाम से प्रसिद्ध हो गए हैं। भाजपा को जीत दिलाने में उसका सांगठनिक अनुशासन, सामूहिक प्रयास और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास जीत दिलाने में कामयाब हुए हैं। राशन, सुशासन का मुद्दा भी अहम रहा है। भाजपा के मजबूत सांगठनिक ढांचे से यह कामयाबी मिली है।भाजपा अपने संगठन को मजबूत बनाने के लिए कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ती है। पार्टी के सांगठनिक ढांचे में सबको जिम्मेदारी दी जाती है। उसकी राजनीतिक सफलता के पीछे यह भी आम कारण रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा आम आदमी का विश्वास जीतने में बेहद सफल रही है। राज्य में जातीय मिथक को तोड़ने में भी वह सफल हुई है। भाजपा को काफी संख्या में पिछड़ों ने भी वोटिंग किया है। जिसकी वजह से वह दोबारा सत्ता में लौटी है।

सहजन, शहतूत और मूंगफली सहित सर्वसुलभ देशज वनस्पतियों में कुपोषण दूर करने की भरपूर क्षमता हैं

संतुलित आहार के अभाव में हमारे देश में कुपोषण की समस्या विकराल रूप धारण करती जा रही है। प्रतिवर्ष भूखमरी और कुपोषण की स्थिति का आकलन करने वाली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के द्वारा जारी किए जाने वाले आंकड़ो में हमारे देश की उत्तरोत्तर भयावह तस्वीर उभर कर आ रही हैं। कुपोषण से निपटने के केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा तथा स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा विविध कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं परन्तु फिर भी भयावह स्थिति बनी हुई है। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की स्थिति अत्यंत चिंता जनक है। भारत में लगभग चालीस प्रतिशत महिलाएं रक्त अल्पता की शिकार हैं। कुपोषण की यह भयावह स्थिति महज आर्थिक विपन्नता के कारण ही नहीं है बल्कि पर्याप्त स्वास्थ्य जागरूकता के अभाव के कारण भी है। संतुलित आहार के अभाव में भारत में प्रत्येक वर्ष पॉच वर्ष से कम उम्र के लाखों बच्चे काल कवलित हो जाते हैं और छठवां सावन और बसंत नहीं देख पाते हैं। कुपोषण की समस्या से जुड़े स्वास्थ्य सेवी इस भयावह स्थिति को आपात स्थिति के रूप मे मानते हैं। स्वास्थ्य शिक्षा और पोषक तत्वों की समुचित जानकारी द्वारा इस आपात स्थिति से तथा कुपोषण जैसी महामारी से निजात पाया जा सकता है।

हमारे देश में हर तरह की जलवायु की वनस्पतियों पाई जाती है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक तथा कच्छ से लेकर कटचल तक कुदरत ने भारतीय बसुन्धरा को अद्भुत प्राकृतिक वनस्पतियों से सुसज्जित और सुशोभित किया है। उत्तर में हमारा विशाल हिमालय पर्वत सदियों से औषधि का कुटुंब कहलाता है। दक्षिण भारत में इलायची की पहाड़ियॉ हजारों साल से विदेशी व्यापारियों के आकर्षण का केन्द्र रहीं हैं। इलायची की पहाड़ियों पर पाए वाले गरम मसाले अपने स्वाद और सुगंध के लिए वैश्विक स्तर पर मशहूर रहे है । अत्यंत प्राचीन काल से यह धारणा रही है कि- भारत की वनस्पतियों में औषधियों का भंडार है तथा कुपोषण दूर करने की भरपूर क्षमता हैं। हमारी थालियो-कटोरियों का सोलह श्रृंगार संतुलित आहार हमारे आस-पास पाई जाने वाली वनस्पतियों और पेड़-पौधों में भरपूर मात्रा में पाया जाता हैं। परन्तु इनकी गुणवत्ता और पोषक क्षमता के ज्ञान के अभाव में हम कुपोषण की समस्या से जूझ रहे हैं। हमारे गाँव देहात में पाए जाने वाले सहजन ,शहतूत ,आम अमरूद, बेर ,जामुन सहित अनेक देशज फल और सब्जियों में पर्याप्त मात्रा में काबोर्हाइड्रेट प्रोटीन विटामिन और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। व्यापक पैमाने पर पाए जाने वाले सहजन में न केवल अनगिनत बीमारियों का इलाज छिपा है बल्कि सहजन के फलफूल, पत्ती, तना इत्यादि से विभिन्न प्रकार की मिठाईयॉ और व्यंजन बनाकर कुपोषण की समस्या को दूर किया जा सकता है। मैंने स्वयं सहायता समूह बनाकर सहजन की पत्तियों फल फूल और तना से विविध प्रकार की मिठाईयॉ चूर्ण बनाकर और सहजन के भोज्य पदार्थो को अपने व्यंजन प्रयोग करने का अभियान चला कर कुपोषण से निजात दिलाने का प्रयास किया। सहजन के विविध उत्पादों द्वारा अनेक गाँवो में चलाए गये अभियान को ग्रामीण जन जीवन में व्यापक स्वीकृति मिल रही हैं। हमारे क्षेत्र के अनेक गाँवों में सहजन के व्यंजनों का उपयोग निरंतर बढता जा रहा हैं।

सहजन की तरस गुड और चना में भी कुपोषण को दूर करने की भरपूर क्षमता हैं। गुड में पर्याप्त मात्रा में लोहांश पाया जाता हैं और चने में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व पाए जाते है । गुड और गुड से बने विभिन्न व्यंजनों द्वारा महिलाओं में बढती रक्त अल्पता की समस्या से निजात पाया जा सकता है। एक रोचक तथ्य हैं कि- एक समय ब्रिटेन की महारानी मेहमान नवाजी में मुजफ्फरपुर की भेली पेश किया करती थी। कोल्ड ड्रिंक और साफ्ट ड्रिंक के बढते शौक में गुड से बने शरबत और पेय पदार्थ हमारे चलन- कलन से बाहर हो गये। आज किशोरों युवकों और युवतियों में पाश्चात्य खान-पान शैली के तरफ तेजी से आकर्षण बढता जा रहा है जो कुपोषण का एक महत्वपूर्ण कारण हैं। देशज खान-पान छोड़ कर युवक और युवतियां फास्टफूड जंक फूड साफ्ट ड्रिंक और कोल्ड ड्रिंक की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहें हैं। जिससे तेजी से युवक और युवतियों में कुपोषण की समस्या बढ रही हैं। लम्बे समय तक कुपोषित रहने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षीण हो जाती हैं। जिससे शरीर में कई तरह की बीमारियां अपना घर बना लेती हैं। इसलिए युवक और युवतियों में फास्टफूड जंक फूड साफ्ट ड्रिंक और कोल्ड ड्रिंक के खतरों से सचेत करते हुए देशज खान-पान की आदतों का विकास करना होगा विशेष रूप से गुड चना इत्यादि को नाश्ते के रूप में सेवन करने का अभियान चलाया जाना चाहिए। हम सर्व सुलभ वनस्पतियों को भोज्य पदार्थ के रूप में ढाल कर भारत के प्रत्येक घर की प्रत्येक थाली की सजावट संतुलित आहार और पोषक तत्वों के आधार पर कर सकते हैं। भारत में नीबू संतरा आंवला जैसे खट्टे-मीठे फल और सब्जियों में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता हैं जो मनुष्य के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होता है। कोरोना संकट के समय देश के सुप्रसिद्ध चिकित्सकों द्वारा भोजन में विटामिन सी का प्रचुर मात्रा में प्रयोग करने की सलाह दी जा रही थी। इसी तरह बेर शहतूत केला अमरूद गाजर टमाटर मूली चुकंदर इत्यादि फल और सब्जियों को आहार तथा नाश्ते के रूप में शामिल कर कुपोषण की समस्या का समाधान कर सकते हैं। कुपोषण की समस्या को पूरी तरह समाप्त कर ही हम स्वस्थ समृद्ध और शक्तिशाली भारत का निर्माण किया जा सकता है।

गीता पाण्डेय
समाज सेविका और आँगनवाडी कार्यकर्त्री।

कांग्रेस और जी-हुजूर-23

पांच राज्यों के चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक में वही हुआ, जो पहले भी हुआ करता था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि यदि पार्टी कहे तो हम तीनों (माँ, बेटा और बेटी) इस्तीफा देने को तैयार हैं। पांच घंटे तक चली इस बैठक में एक भी कांग्रेसी की हिम्मत नहीं पड़ी कि वह नेतृत्व-परिवर्तन की बात खुलकर कहता। जो जी-23 समूह कहलाता है, जिस समूह ने कांग्रेस के पुनरोद्धार के लिए आवाज बुलंद की थी, उसके कई मुखर सदस्य भी इस बैठक में मौजूद थे लेकिन जी-23 अब जी-हुजूर-23 ही सिद्ध हुए। उनमें से एक आदमी की भी हिम्मत नहीं पड़ी कि वह कांग्रेस के नए नेतृत्व की बात छेड़ता। सोनिया गांधी का रवैया तो प्रशंसनीय है ही और उनके बेटे राहुल गांधी को मैं दाद देता हूं कि उन्होंने कांग्रेस-अध्यक्ष पद छोड़ दिया लेकिन मुझे कांग्रेसियों पर तरस आता है कि उनमें से एक भी नेता ऐसा नहीं निकला, जो खम ठोककर मैदान में कूद जाता। वह कैसे कूदे? पिछले 50-55 साल में कांग्रेस कोई राजनीतिक पार्टी नहीं रह गई है। वह पोलिटिकल पार्टी की जगह प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई है। उसमें कई अत्यंत सुयोग्य, प्रभावशाली और लोकप्रिय नेता अब भी हैं लेकिन वे नेशनल कांग्रेस (एनसी) याने नौकर-चाकर कांग्रेस बन गए हैं। मालिक कुर्सी खाली करने को तैयार हैं लेकिन नौकरों की हिम्मत नहीं पड़ रही है कि वे उस पर

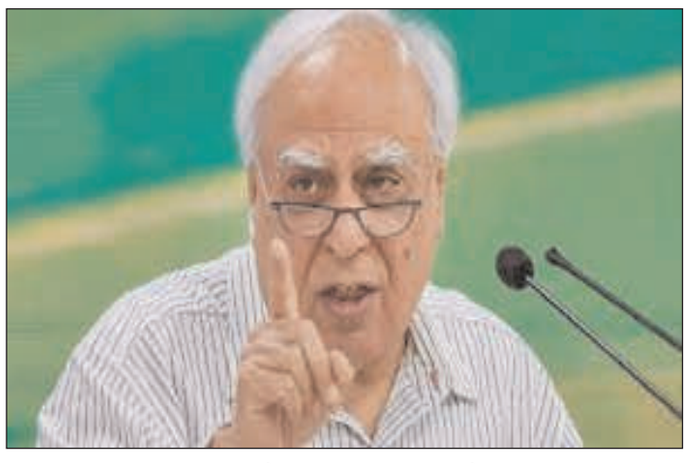

बैठ जाएं। उन्हें दरी पर बैठे रहने की लत पड़ गई है। यदि कांग्रेस का नेतृत्व लंगड़ा हो चुका है तो उसके कार्यकर्ता लकवाग्रस्त हो चुके हैं। कांग्रेस की यह बीमारी हमारे लोकतंत्र की महामारी बन गई है। देश की लगभग सभी पार्टियां इस महामारी की शिकार हो चुकी हैं। भारतीय मतदाताओं के 50 प्रतिशत से भी ज्यादा वोट प्रांतीय पार्टियों को जाते हैं। ये सब पार्टियां पारिवारिक बन गई हैं। कांग्रेस चाहे तो आज भी देश के लोकतंत्र में जान फूंक सकती है। देश का एक भी जिला ऐसा नहीं है, जिसमें कांग्रेस विद्यमान न हो। देश की विधानसभाओं में आज भाजपा के यदि 1373 सदस्य हैं तो कांग्रेस के 692 सदस्य हैं। लेकिन पिछले साढ़े छह साल में कांग्रेस 49 चुनावों में से 39 चुनाव हार चुकी है। उसके पास नेता और नीति, दोनों का अभाव है। मोदी सरकार की नीतियों की उल्टी-सीधी आलोचना ही उसका एक मात्र धंधा रह गया है। उसके पास भारत को महासंपन्न और महाशक्तिशाली बनाने का कोई वैकल्पिक नक्शा भी नहीं है। कांग्रेस अब पचमढ़ी की तरह नया ह्यचिंतन-शिविरह्ण करनेवाली है। उसे अब चिंतन शिविर नहीं, चिंता शिविर करने की जरुरत है। यदि कांग्रेस का ब्रेक फेल हो गया तो भारतीय लोकतंत्र की गाड़ी कहां जाकर टकराएगी, कुछ नहीं कहा जा सकता।

वाराणसी में हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन

द कश्मीर फाइल्स चलचित्र (फिल्म) को पूरे राज्य में कर मुक्त किया जाए

वाराणसी। वर्ष 1990 में कश्मीरी हिन्दुओं पर हुए अत्याचारों का सत्यचित्रण दिखानेवाला द कश्मीर फाइल्स नामक चलचित्र (फिल्म) हाल ही में प्रदर्शित हुआ है । द कश्मीर फाइल्स के माध्यम से कश्मीरी हिन्दुओं पर हुए अत्याचारों की वास्तविकता प्रथमतः विश्व के समक्ष प्रस्तुत की जा रही है। अतः इस चलचित्र (फिल्म) को उत्तरप्रदेश राज्य में कर मुक्त करने की घोषणा कर कश्मीरी हिन्दुओं के प्रति सरकार की संवेदना प्रकट करें ऐसी मांग के लिए हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा वाराणसी में जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया। यह चलचित्र हरियाणा, गुजरात, मध्यप्रदेश और गुजरात सरकार द्वारा कर मुक्त किया गया है। अतः उत्तरप्रदेश राज्य में भी इस चलचित्र को कर मुक्त करेंगे, ऐसा सभी का दृढ विश्वास है। इस समय हिंदू जागरण मंच के अधिवक्ता अवनीश राय तथा अधिवक्ता विकास तिवारी, जनवार्ता के पत्रकार श्री. विपुल पाठक, अधिवक्ता संजीवन यादव, अधिवक्ता प्रभु नारायण, श्री. विनोद सृष्टि, सनातन संस्था के श्री. रितेश गुप्ता और हिन्दू जनजागृति समिति के श्री. राजन केसरी उपस्थित थे। हिन्दू जनजागृति समिति ने विगत 15 वर्षों में कश्मीरी हिन्दुओं पर हुए अत्याचारों के विषय में आतंकवाद का भीषण सत्य नामक फ्लेक्स प्रदर्शनी 500 से अधिक स्थानों पर प्रदर्शित की है। साथ ही एक भारत अभियानः चलो कश्मीर की ओर नामक अभियान के अंतर्गत अनेक राज्यों में जनसभा आयोजित कर 10 लाख से अधिक हिन्दुओं को जागृत किया है। कश्मीरी हिन्दुओं को न्याय प्राप्त होने तक हिन्दू जनजागृति समिति वैधानिक मार्ग से प्रयास करती रहेगी।

दही की मदद से पतले बालों को बनाएं घना और लम्बा, जानिए कैसे

शहद बालों को कंडीशन करता है, जिससे रूसी व हेयर लॉस की समस्या दूर होती है। साथ ही बालों को थिक बनाने में मदद मिलती है। इस मास्क को बनाने के लिए आप आधा कप दही लेकर उसमें एक छोटा चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच सेब का सिरका डालकर मिक्स करें। अब इसे अपने बालों पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। आखिरी में एक माइल्ड शैम्पू की मदद से बालों को वॉश करें।

शहद बालों को कंडीशन करता है, जिससे रूसी व हेयर लॉस की समस्या दूर होती है। साथ ही बालों को थिक बनाने में मदद मिलती है। इस मास्क को बनाने के लिए आप आधा कप दही लेकर उसमें एक छोटा चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच सेब का सिरका डालकर मिक्स करें।

दही का इस्तेमाल वैसे तो हर घर में खाने की थाली में किया जाता है। लेकिन वास्तव में यह स्किन और हेयर के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह बालों की ग्रोथ को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उसकी चमक को वापिस लौटाने में मदद करता है। यदि आपके हेयर्स सूखे और डैमेज्ड हैं या फिर आपके बाल लगातार झड़ रहे हैं, जिससे वह काफी पतले हो गए हैं तो ऐसे में आपको दही के मास्क को अपने बालों में अप्लाई करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको दही की मदद से बनने वाले कुछ हेयर मास्क के बारे में बता रहे हैं-

अंडा और दही मास्क

अंडे की जर्दी में पेप्टाइड्स होते हैं जो बालों के विकास को प्रोत्साहित करते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि आपके बाल तेजी से और स्वस्थ हों। इसके लिए आप एक अंडे को तोड़कर अच्छी तरह फेंट दें, ताकि उसका येलो व व्हाइट भाग अच्छी तरह मिक्स हो जाए। अब इसमें 2 बड़े चम्मच दही डालकर पेस्ट बनाएं। बस अब अपने बालों के सेक्शन्स करके इस मिश्रण को रूट्स से लेकर जड़ों पर लगाएं। करीबन आधे घंटे के लिए उसे ऐसे ही छोड़ दें। आखिरी में शैम्पू और ठंडे पानी की मदद से बालों को वॉश करें।

केला और दही मास्क

केले में पोटेशियम, काबोर्हाइड्रेट और विटामिन होते हैं जो बालों को पोषण देने में मदद करते हैं। यह स्कैल्प के स्वास्थ्य में सुधार करता है, रूसी को कम करता है और बालों को चमकदार बनाता है। यह हेयर ब्रेकेज की समस्या को भी दूर करता है, जिसके कारण आपके हेयर फिर से घने होने लगते हैं। इस मास्क को बनाने के लिए आधा पका हुआ केला लेकर उसमें एक बड़ा चम्मच दही, तीन चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच नींबू का रस मिक्स करके स्मूद पेस्ट तैयार करें। अब इसे रूट्स से लेकर टिप्स पर लगाएं और आधे घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब आप शैम्पू की मदद से बालों को वॉश करें।

दही और शहद मास्क

शहद बालों को कंडीशन करता है, जिससे रूसी व हेयर लॉस की समस्या दूर होती है। साथ ही बालों को थिक बनाने में मदद मिलती है। इस मास्क को बनाने के लिए आप आधा कप दही लेकर उसमें एक छोटा चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच सेब का सिरका डालकर मिक्स करें। अब इसे अपने बालों पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। आखिरी में एक माइल्ड शैम्पू की मदद से बालों को वॉश करें।

मुंहासों के निशान से अगर आप हैं परेशान तो इन आसान उपायों का करें इस्तेमाल

चेहरे पर मुंहासे होना एक आम स्किन प्रॉब्लम है। यह समस्या लड़कों व लड़कियों दोनों में ही देखी जाती है। युवावस्था में हार्मोनल बदलाव से लेकर खानपान, चेहरे पर मौजूद गंदगी व ऑयल बिल्ड अप के कारण मुंहासे हो ही जाते हैं। सही स्किन केयर से इन मुंहासों से तो निजात मिल जाती है, लेकिन कभी-कभी चेहरे पर उसके निशान रह जाते हैं, जो देखने में काफी गंदे लगते हैं। मुंहासों से भी ज्यादा मुश्किल होता है, बाद में चेहरे पर रह गए उसके निशानों से मुक्ति पाना। लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको ऐसे कुछ आसान नेचुरल उपायों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप चेहरे पर मौजूद मुंहासों के निशानों से भी मुक्ति पा सकते हैं-

संतरे के छिलकों का पाउडर

जापान में हुए एक अध्ययन में यह पाया गया कि संतरे का छिलका एक्ने स्पॉट्स और ब्लेमिश को खत्म करने में कारगर है। अगर आपके चेहरे पर मुंहासे के निशान हैं तो ऐसे में आप एक चम्मच शहद में एक चम्मच संतरे के छिलके का पाउडर मिक्स करें। अब इस पेस्ट को मुंहासों व फुंसी वाले क्षेत्र में लगाएं और इसे सूखने दें। सूखने के बाद इसे धो दें। आप सप्ताह में तीन से चार बार इस उपाय को अपनाएं। आपको कुछ ही वक्त में फर्क नजर आने लगेगा।

नारियल का तेल-स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि नारियल का तेल भी एक्ने के निशान को दूर करने में मदद करता है। दरअसल, नारियल के तेल में एंटी-बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज होती है जो मुंहासों व उसके निशानो को दूर करने में मददगार है। इसके लिए आप एक चम्मच वर्जिन कोकोनट ऑयल को हाथ में लेकर रब करें ताकि वह हल्का गर्म हो जाए। इसके बाद आप मुंहासों के दाग पर इसे डैब करते हुए लगाएं और अगली सुबह तक इसे ऐसे ही छोड़ दें। आप हर रात सोने से पहले इस उपाय को अपना सकते हैं। हालांकि अगर आपकी स्किन ऑयली है तो यह होम रेमिडी आपके लिए नहीं है, क्योंकि इससे आपके पोर्स क्लॉग हो जाएंगे ।

स्वाद और सेहत से भरपूर होती है हरियाली गोभी की सब्जी, बनाएं कुछ इस तरह

हरियाली गोभी बनाने के लिए सबसे पहले हम हरियाली मसाला तैयार करेंगे। इसके लिए एक प्रेशर कुकर में मक्खन गरम करें। अब इसमें कुछ सेकंड के लिए जीरा, लहसुन डालकर सॉटे करें। दालचीनी, हरी मिर्च, पलाक, टमाटर, जीरा पाउडर, गरम मसाला पाउडर, हल्दी पाउडर और जीरा पाउडर डालें।

पालक को सेहत के लिए बेहद अच्छा माना जाता है। यह आपको सिर्फ आयरन ही नहीं देता, बल्कि इस हरी पत्तेदार सब्जी से आपको अन्य भी कई पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। आमतौर पर पालक को घरों एक-दो तरह से ही बनाया जाता है। लेकिन अगर आप एक ही तरह से पालक खा-खाकर बोर हो गई हैं और अब उसे एक ट्विस्ट के साथ खाना चाहती हैं तो ऐसे में आप लंच टाइम में हरियाली गोभी बना सकती हैं। पालक और गोभी की मदद से बनने वाली यह सब्जी जितनी हेल्दी होती है, इसका स्वाद भी उतना ही लाजवाब होता है। तो चलिए जानते हैं हरियाली गोभी बनाने का तरीका-

इसे भी पढ़ें: सर्दियों में बनाएं मिक्स वेज परांठा, स्वाद के साथ मिलेगी सेहत भी

सामग्री-

2 कप फूलगोभी कटी हुई
500 ग्राम पालक, धोया और कटा हुआ
हल्दी पाउडर
गरम मसाला पाउडर
नमक
एक टमाटर कटा हुआ या प्यूरी
लहसुन
अदरक
हरी मिर्च
जीरा
दालचीनी पाउडर
जीरा पाउडर
2 बड़े चम्मच ताजा क्रीम
1 बड़ा चम्मच मक्खन

इसे भी पढ़ें: ठंड के मौसम में घर पर ब्रोकली सूप का उठाएं मजा

बनाने की विधि-

हरियाली गोभी बनाने के लिए सबसे पहले हम हरियाली मसाला तैयार करेंगे। इसके लिए एक प्रेशर कुकर में मक्खन गरम करें। अब इसमें कुछ सेकंड के लिए जीरा, लहसुन डालकर सॉटे करें। दालचीनी, हरी मिर्च, पलाक, टमाटर, जीरा पाउडर, गरम मसाला पाउडर, हल्दी पाउडर और जीरा पाउडर डालें। कुछ सेकंड के लिए सॉटे करें। अब इसमें एक चम्मच पानी डालकर कुकर को कवर करें और एक सीटी आने तक पकाएं। जब पालक पूरी तरह से पक जाए तो इसे पूरा ठंडा होने दें और फिर ब्लेंडर की मदद से इसे पीस लें। अब एक कड़ाही में ऑयल लेकर उसमें फूलगोभी डालें। साथ ही हल्दी व नमक डालकर सॉटे करें। कुछ सेकंड के बाद कुछ पानी छिड़कें और इसे कवर करें और लगभग 5 मिनट तक पकाएं। एक बार गोबी पकने के बाद इसमें गरम मसाला में डालें और कुछ मिनटों तक भूनें और आँच बंद कर दें। अब क्रीम को पालक करी में डालें और एक सर्विंग बाउल में स्थानांतरित करें। रोस्टेड गोभी को पालक करी में रखें और हरियाली गोभी को गर्मागर्म सर्व करें। आप इसे रोटी या परांठे आदि के साथ बेहद आसानी से खा सकती हैं।

ग्रीन टी में यह पांच चीजें मिलाकर करें सेवन, मिलेंगे गजब फायदे

ज्यादा गर्म ग्रीन टी पीना न केवल इसे बेस्वाद बना देता है बल्कि आपके पेट और गले को नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसके बेहतर परिणाम के लिए अपनी ग्रीन टी को गुनगुना ही लें।

ग्रीन टी को हेल्थी ड्रिंक में से एक माना जाता है। इसमें एंटी-ऑक्सिडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है जिसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। ग्रीन टी में पॉलीफेनॉल्स पदार्थ प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जिसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जैसे कि सूजन को कम करना और कैंसर से लड़ने में मदद करना आदि।

हालांकि, इस जादुई चाय के कई फायदे हैं, लेकिन बेहतर परिणाम के लिए कुछ दिशानिर्देश भी दिए गए हैं, जिन्हें ध्यान में रखना बहुत जरूरी है। हमेशा ध्यान रखें कि ग्रीन टी का उपभोग हर रोज दो से पांच कप के बीच ही होना चाहिए। ग्रीन टी का सेवन कैसे और कब करें, इसके बारे में आइये जानते हैं कुछ मत्वपूर्ण बातें-

ग्रीन टी सुबह पिएं

यह बात सभी जानते हैं कि हमारी देसी चाय के अपने बहुत सारे फायदे हैं। हालांकि, यदि आप हर सुबह अपने चाय के साथ बिस्कुट लेना पसंद करते हैं तो आप ग्रीन टी ले सकते हैं। ग्रीन टी आपके दिन की स्वस्थ शुरूआत के लिए एक बेहतर ड्रिंक हो सकती है।

भोजन के ठीक बाद ग्रीन टी का सेवन नहीं करें

जब हम किसी खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं तो उसमें मौजूद प्रोटीन को शरीर द्वारा पचाने में कुछ समय लगता है, इसलिए भोजन के तुरंत बाद ग्रीन टी पीना इस पाचन प्रक्रिया को नुकसान पहुंचा सकती है। और इसलिए कभी भी खाने के तुरंत बाद ग्रीन टी का सेवन नहीं करना चाहिए।

ग्रीन टी ज्यादा गर्म नहीं लें

ज्यादा गर्म ग्रीन टी पीना न केवल इस्से बेस्वाद बना देता है बल्कि आपके पेट और गले को नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसके बेहतर परिणाम के लिए अपनी ग्रीन टी को गुनगुना ही लें।

खाली पेट ग्रीन टी पीना

चूंकि ग्रीन टी शरीर के पूरे सिस्टम को डिटॉक्स करती है, इसलिए कुछ लोग सोचते हैं कि सुबह ग्रीन टी पीना सुरक्षित होता है। यह पूरी तरह सही नहीं है। खाली पेट होने के बाद आपको कुछ हल्का पदार्थ लेना चाहिए, जो आपके मेटाबॉलिजम को ठीक रखें। ग्रीन टी में स्ट्रांग एंटी-ऑक्सिडेंट और पॉलीफेनोल होते हैं जो पेट के एसिड के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं और पाचन को डिस्टर्ब कर सकते हैं।

गर्म ग्रीन टी में शहद न डालें

हम में से ज्यादातर लोग ग्रीन टी में शहद मिलाना पसंद करते हैं, क्योंकि यह चीनी का एक स्वस्थ विकल्प होता है और इसका स्वाद भी अच्छा होता है। लेकिन यदि आप शहद को उबलते हुए कप में डालते हैं, तो संभावना है कि शहद के पोषक तत्व नष्ट हो जाएंगे। इसलिए, अपनी ग्रीन टी के तापमान को थोड़ा कम होने दें, फिर दालचीनी, शहद, आदि जो भी आप मिलाना चाहें, मिला सकते हैं।

ग्रीन टी के साथ दवाइयाँ न लें

कुछ लोग अपनी सुबह की ग्रीन टी के कप के साथ दवाई की गोलियों लेते हैं। लेकिन यह बेहद हानिकारक हो सकता है, क्योंकि आपकी गोली की रासायनिक संरचना हरी चाय के साथ मिलकर एसिडिटी का कारण बन सकती है। इसलिए, यह सलाह दी जाती है कि आप अपनी गोलियों को किसी भी पदार्थ के बजाय नियमित पानी के साथ ही लें।

इसे भी पढ़ें: हरे सेब का जूस है डायबिटीज मरीज के लिए फायदेमंद, जानिए इसके और गुण

ग्रीन टी का ज्यादा सेवन ना करें

सिर्फ इसलिए कि ग्रीन टी स्वास्थ्य के लिए अच्छी होती है इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप एक दिन में बहुत सारे कप ले सकते हैं। चाय या कॉफी की तरह ग्रीन टी में भी कैफीन होता है इसके ज्यादा सेवन करने से सिरदर्द, सुस्ती, एंग्जायटी, चिड़चिड़ापन के साथ-साथ अनेक हानिकारक दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। मॉडरेशन में इसका उपयोग करना अच्छा होता है। ग्रीन टी का बहुत अधिक सेवन करने से शरीर में आयरन का अवशोषण कम हो जाता है। इसलिए आपको एक दिन में 2-3 कप से ज्यादा इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

अपनी स्किन टाइप के अनुसार ऐसे चुनें फेशियल ऑयल

पिछले कुछ समय से फेशियल ऑयल के इस्तेमाल का चलन काफी बढ़ गया है। यह आपकी स्किन को नेचुरली ग्लोइंग व प्रॉब्लम फ्री बनाती है। इसके इस्तेमाल का एक सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह हर स्किन टाइप के लिए अच्छा माना जाता है। बस जरूरत है कि आप अपनी स्किन टाइप को ध्यान में रखते हुए सही फेशियल ऑयल का चयन करें। दरअसल, इन दिनों मार्केट में कई तरह के फेशियल ऑयल्स अवेलेबल हैं और अगर गलत ऑयल को चुना जाए तो इससे स्किन को नुकसान होता है। तो चलिए आज हम आपको बता रहे हैं कि स्किन टाइप के अनुसार कैसे चुनें सही फेशियल ऑयल-

ऑयली स्किन-स्किन केयर एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आपकी स्किन ऑयली है तो आपको लाइटवेट सीरम व ऑयल्स को चुनना चाहिए। ऐसी स्किन के लिए जोजोबा ऑयल व अंगूर के बीजों का तेल काफी अच्छा माना जाता है। जहां जोजोबा ऑयल स्किन को मॉइश्चराइज करने के साथ-साथ अतिरिक्त सीरम को नियंत्रित करता है। वहीं ग्रेपसीड ऑयल नेचुरल एंस्ट्रीजेंट होता है, जिससे यह मैट लुक देता है। ऐसे में यह ऑयली स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

रूखी स्किन-स्किन केयर एक्सपर्ट के अनुसार, रूखी स्किन में नमी की कमी होती है, इसलिए आपको ऐसा फेशियल ऑयल चुनना चाहिए, जो ओलिक एसिड में उच्च तेल और मारूला तेल काफी अच्छा माना जाता है। बादाम का तेल काफी हाइडेटिंग होता है और यह रूखी स्किन की प्रॉब्लम्स जैसे एग्जिमा आदि आदि को दूर करता है। इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन ए फाइन लाइन्स आदि को कम करता है। वहीं मारूला ऑयल स्किन को लंबे समय तक मॉइश्चराइज करता है, जिससे इरिटेटिड और स्टेची स्किन से छुटकारा मिलता है।

सेंसेटिव स्किन-सेंसेटिव स्किन की महिलाओं को फ्रेगरेंस और अल्कोहल आदि से दूर रहना चाहिए। ऑयल्स जो कि फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, संवेदनशील त्वचा के लिए बहुत अच्छे होते हैं क्योंकि वे त्वचा के अवरोध को मजबूत करते हैं और उनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट क्षति से बचाते हैं और उनसे लड़ते हैं। वैसे तो इस तरह की स्किन के लिए एलोवेरा ऑयल व मोरिंगा ऑयल काफी अच्छे माने जाते हैं। लेकिन किसी भी स्किन को अप्लाई करने से पहले आपको एक बार पैच टेस्ट जरूर करना चाहिए।

जल्द होने वाली है शादी तो इन स्किन केयर रूटीन की मदद से चेहरे पर लाएं नेचुरल ग्लो

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि हाइड्रेशन हेल्दी और कोमल त्वचा के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन ठंड में हम पानी काफी कम पीते हैं। इसलिए, अपने आप को हाइड्रेटेड रखने के लिए दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

वेडिंग डे किसी भी लड़की के लिए उसके जीवन का एक बहुत बड़ा दिन होता है। इस दिन हर लड़की दुनिया में सबसे खूबसूरत दिखना चाहती है। हो सकता है कि आपने भी अपने ब्राइडल लुक के लिए एक मेकअप आर्टिस्ट को बुक किया हो। लेकिन सिर्फ मेकअप के सहारे आप ग्लोइंग ब्राइडल लुक नहीं पा सकतीं। यह केवल तभी संभव है, जब आपकी स्किन भी नेचुरली दमके। डल स्किन पर अगर मेकअप अप्लाई किया जाए तो इससे मेकअप भी डल नजर आता है। ऐसे में अगर आपकी भी ठंड के मौसम में जल्द शादी होने वाली है तो इन आसान तरीकों को अपनाकर आप स्किन के नेचुरल ग्लो को बनाए रख सकती हैं-

रखें खुद को हाइड्रेट

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि हाइड्रेशन हेल्दी और कोमल त्वचा के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन ठंड में हम पानी काफी कम पीते हैं। इसलिए, अपने आप को हाइड्रेटेड रखने के लिए दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। याद रखें कि निर्जलीकरण न केवल त्वचा के लिए बुरा है, बल्कि यह आपके पाचन तंत्र को भी प्रभावित कर सकता है।

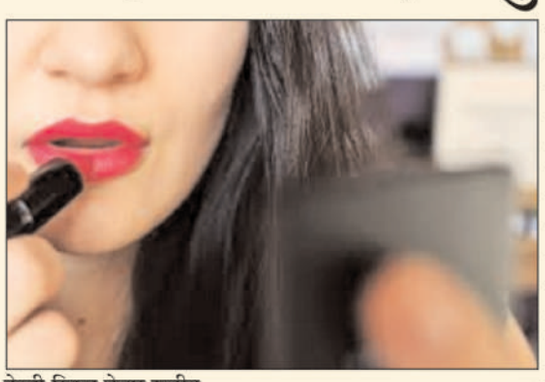

हेल्दी स्किन केयर रूटीन

स्किन केयर एक्सपर्ट के अनुसार, दमकती त्वचा पाने के लिए एक हेल्दी स्किन केयर रूटीन अपनाना बेहद आवश्यक है। इसके लिए आप क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग को अपनी स्किनकेयर रूटीन का हिस्सा बनाएं और आपको इसे एक दिन के लिए भी नहीं छोड़ना चाहिए। एक अच्छी गुणवत्ता वाला मॉइस्चराइजर चुनें जो आपकी त्वचा के अनुकूल हो। अगर जरूरत पडे तो आप अपने त्वचा विशेषज्ञ से भी सलाह ले सकती हैं।

गुनगुने पानी का करें इस्तेमाल

ठंड के मौसम में गर्म पानी से नहाना काफी अच्छा लगता है। हो सकता है कि आपको भी लंबे समय तक हॉट शॉवर लेना पसंद हो। हालांकि आपको यह समझना चाहिए कि यह त्वचा को नुकसान पहुंचाता है और इसे शुष्क और बेजान बनाता है। इसलिए, हमेशा गुनगुने पानी से ही नहाएं। साथ ही नहाने के बाद त्वचा के नेचुरल मॉइश्चर को रिस्टोर करने के लिए मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करना ना भूलें।

नए प्रॉडक्ट का इस्तेमाल नहीं

हो सकता है कि आप शादी से पहले एक दमकती स्किन पाना चाहती हों और इसलिए आप महंगे-महंगे नए प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करना शुरू कर दें। हालांकि आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। वेडिंग से पहले अपनी स्किन के साथ किसी भी तरह का एक्सपेरिमेंट करने से बचें।

घरेलू उपचार

अगर आप अपनी स्किन में अतिरिक्त ग्लो चाहती हैं तो ऐसे में आप मार्केट में मिलने वाले तरह-तरह के प्रॉडक्ट की जगह कुछ होम रेमिडीज को अपनाएं। इनका लाभ यह होता है कि इससे स्किन पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता है और वेडिंग से पहले स्किन केयर के लिए इन्हें अधिक सुरक्षित ऑप्शन माना जाता है।

क्यों होते हैं डार्क सर्कल्स ? जानें इसके असरदार घरेलू

खीरे हमारी आंखों के नीचे सूजन वाले आई-बैग और डार्क सर्कल के इलाज के लिए सबसे अच्छा और सबसे ताजा तरीका है। इसके लिए आप कुछ खीरे के स्लाइस करें और उन्हें 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखें। फिर उन्हें 10 मिनट के लिए अपने काले घेरे पर लगा छोड़ दें और गुनगुने पानी से आंखें धो लें।

चाहे पुरुष हों या महिला, काले घेरे हर किसी के लिए बुरे सपने जैसे होते हैं। काले घेरे दिखाई देने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे, तनाव, नींद की कमी, हार्मोनल परिवर्तन, आदि। लेकिन, आंखों के नीचे काले घेरे का कारण जानने के लिए आपको सबसे पहले उनके रंग की पहचान करनी होगी। यदि आंख के नीचे इन घेरों का रंग थोड़ा नीला या हरा है तो यह आपकी आंख के नीचे की त्वचा के छिद्र के कारण होता है। जेनेटिक कारणों से भी आंखों के नीचे की त्वचा पतली या पारदर्शी हो जाती है। जैसे-जैसे त्वचा पारदर्शी होती है, आँखों के नीचे रक्त वाहिकाएँ दिखाई देने लगती हैं और इसी कारण से आँखों के नीचे नीले या हरे रंग के वृत्त दिखाई देते हैं और हम इन्हें काला घेरा कहते हैं।

तो चलिए हम जान लेते हैं काले घेरे का इलाज करने के लिए घरेलू उपचार, जो इसे दूर करने में मदद कर सकते हैं-

हल्दी मिश्रण

काले घेरों को हटाने के लिए 2 चम्मच हल्दी पाउडर में 1 चम्मच दही और कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाएं। मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं और फिर इसे आंखों के चारों ओर काले घेरे में लगा लें। इस पेस्ट को लगभग 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर इसे नॉर्मल पानी से धो लें। बेहतरीन परिणामों के लिए, हल्दी के इस पेस्ट को हर दिन सोने से पहले लगाएं और फिर देखें कि काले घेरे कैसे गायब हो जाते हैं।

खीरा

खीरे हमारी आंखों के नीचे सूजन वाले आई-बैग और डार्क सर्कल के इलाज के लिए सबसे अच्छा और सबसे ताजा तरीका है। इसके लिए आप कुछ खीरे के स्लाइस करें और उन्हें 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखें। फिर उन्हें 10 मिनट के लिए अपने काले घेरे पर लगा छोड़ दें और गुनगुने पानी से आंखें धो लें। ताजा महसूस करने और तुरंत परिणाम पाने के लिए, इस विधि को दिन में दो बार आजमाएं। **टमाटर**-टमाटर में लाइकोपीन होता है, जो आपकी त्वचा पर अद्भुत काम करता है और काले घेरों को कम करने में मदद करता है। अच्छे परिणाम पाने के लिए आप नींबू के रस के साथ बराबर भागों में टमाटर का रस मिला सकते हैं और फिर इसे अंडर-आई क्षेत्र में लगाने के लिए एक कॉटन बॉल का उपयोग कर सकते हैं। 10 मिनट के लिए छोड़ने के बाद आप इसे गुनगुने पानी से धो सकते हैं। आप नियमित रूप से नींबू के रस और पुदीने की पत्तियों के साथ भी टमाटर का रस मिलाकर लगा सकते हैं।

महिलाओं को ऑफिस में करना पड़ता है दबाव का सामना

नई दिल्ली (भाषा)। आतिथ्य सत्कार उद्योग (हास्पिटैलिटी इंडस्ट्री) में महिला कर्मचारियों को कार्यस्थल पर पुरुष कर्मचारियों की तुलना में काम के अधिक दबाव का सामना करना पड़ता है, वहीं सहकर्मियों की रूढिवादी सोच, पूर्वाग्रही विचार और मालिकों के व्यवहार के कारण महिलाओं को कार्यस्थल पर कई अन्य प्रकार की परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है। महिला भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (डब्ल्यूआईसीसीआई) और इंडियन स्कूल आफ हास्पिटैलिटी (आईएसएच) द्वारा 'भारत के आतिथ्य सत्कार उद्योग में लिंग समानता की स्थिति का मूल्यांकन' शीर्षक से एक अध्ययन किया गया।

अध्ययन के अनुसार, व्यक्तिगत स्तर पर, महिला कर्मचारियों को कार्यस्थल पर पुरुष कर्मचारियों की तुलना में काम के अधिक दबाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा महिलाओं की 'नेटवर्किंग' क्षमताओं को कम करके आंका जाता है और यह माना जाता है कि यात्रा के दौरान उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अध्ययन में कहा गया कि सामूहिक स्तर पर सहकर्मियों की रूढिवादी सोच, पूर्वाग्रही विचार और मालिकों के पितृसत्तात्मक व्यवहार के कारण भी महिला कर्मचारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जबकि कम्पनी के स्तर पर परामर्श के अवसर कम होने से और नियोक्ताओं की लैंगिक रूढ़िवादिता भी एक बड़ी चुनौती बन जाती है।

'इंडियन स्कूल आफ हास्पिटैलिटी' के 'रिसर्च एंड मैनेजमेंट स्टडीज' विभाग की डीन पायल कुमार ने कहा हम खुले तौर पर एक पितृसत्तात्मक समाज में रहते हैं, जहां महिलाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे कार्यस्थल पर एक कर्मचारी के रूप में और घर पर बच्चों तथा बुजुर्गों की देखभाल करने में कुशल हों। अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि भारत में महिलाओं को उभरते आतिथ्य उद्योग के शीर्ष पर पहुंचने के लिए, न केवल प्रतिभा की आवश्यकता है, बल्कि संगठनात्मक एवं पारिवारिक समर्थन की भी बेहद जरूरत है।

दल ने अध्ययन के लिए विभिन्न संगठनों में वरिष्ठ तथा मध्य स्तर के पदों पर तैनात 23 अधिकारियों से इन मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। उदाहरण के लिए प्रबंध निदेशक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, देश प्रमुख, महाप्रबंधक और निदेशक मानव संसाधन जैसे विभिन्न पदों पर तैनात पुरुष और महिला पेशेवरों से बात की गई।

■ अध्ययन में कहा गया कि सामूहिक स्तर पर सहकर्मियों की रूढ़िवादी सोच, पूर्वाग्रही विचार और मालिकों के पितृसत्तात्मक व्यवहार के कारण भी महिला कर्मचारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जबकि कम्पनी के स्तर पर परामर्श के अवसर कम होने से और नियोक्ताओं की लैंगिक रूढ़िवादिता भी एक बड़ी चुनौती बन जाती है।

मोटे अनाज का जादू

नई दिल्ली। एसएनबी

इन दिनों दिल्ली में लगने वाले मेले -हाट में एक- एक बाजरे की रोटी डेढ़ सौ से दो सौ रुपए की मिलती है। जबकि एक समय ऐसा भी था जब मोटे अनाज को केवल गरीबों का भोजन माना जाता था, लेकिन आज की बात करें तो मोटे अनाज को अमीरों का भोजन कहा जा सकता है। उदाहरण के लिए बात करें जौ की तो वह आज पैकेट बंद ओट्स के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे कई अन्य मोटे अनाज भी है, जिनको हम पैकेट बंद सुपर फूड के रूप में इस्तेमाल कर हैं जैसे- सत्तू, बिस्किट, स्मार्ट फूड के पैक में बाजरा की बर्फी, रागी के कुकीज, बाजरा व गेहूं का दलिया, ओट्स मिलेट से बने पीडिया, पपची, ठेठरी इत्यादि के अनेक प्रोडक्ट शामिल है। आपको याद होगा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जब लोकसभा में बजट प्रस्तुत किया तो उसमें अन्नदाताओं की समृद्धि के लिए उन्होंने कई घोषणाएं की थीं। इसमें उन्होंने साल 2023 को मोटा अनाज वर्ष घोषित किए जाने के फैसले से अवगत कराया था।

क्यों कहा गया सुपर फूड, क्या हैं फायदें : जून 2018 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण अनाज की विभिन्न फसलों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, परंतु मोटे अनाज की फसलें जलवायु अनुकूल फसलें है। मोटे अनाजों की जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी दोहरी भूमिका है, क्योंकि वे अनुकूलन और शमन दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है। मोटे अनाज पर्यावरण के लिए तो बेहतर है ही साथ ही सुपर फूड जैसे गुणों के कारण यह सुपर फूड भी कहा जाने लगा ।

भारत में कहां -कहां उगाया जाता है

राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा, गुजरात, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, तमिलनाडु और तेलगांना प्रमुख मोटे अनाज उत्पादक राज्य हैं

रागी : कैल्शियम की मात्रा अन्य अनाजों की अपेक्षा ज्यादा होती है। कैल्शियम हमारी हड्डियों को मजबूत रखने तथा मांसपेशियों को ताकतवर बनाने में मदद करता है। रागी में लौह तत्व भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो रक्त का मुख्य घटक है। रागी के आटे से हम रोटी, चिल्ला, इडली बना सकते है। रागी की खीर भी बनती है। छोटे बच्चों को (विशेषकर दो वर्ष से छोटे) पारंपरिक तौर पर रागी की लप्सी बनाकर खिलाई जाती है। मधुमेह के रोगियों के लिए यह बहुत ज्यादा लाभदायक होता है।

बाजरा : उत्तर भारत में इसे विशेषकर ठंड में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें प्रोटीन, लौह तत्व, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट आदि अच्छी मात्रा में पाए जाते है। इसमें कुछ मात्रा में कैरोटीन (विटामिन ए) भी पाया जाता है। बाजरे में कुछ अल्प मात्रा में पाइटिक एसिड, पोलीफिनोल, जैसे कुछ पोषण विरोधी तत्व भी होते हैं। बाजरे को पानी में भिगोकर, अंकुरित करके, माल्टिंग की विधि द्वारा इन पोषक विरोधी तत्वों को कम किया जा सकता है।

ज्वार : बच्चों के भोजन में इस्तेमाल किया जाने वाला अनाज है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, लौह तत्व मुख्य रूप से पाए जाते है। यह अनाज पाचन में हल्का होता है। पोषक तत्वों से भरपूर इस अनाज को देहाती भोजन में रोटी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

कोदो : इसे प्राचीन अन्न भी कहा जाता है। कोदो में कुछ मात्रा में वसा तथा प्रोटीन भी होता है। इसका 'ग्लाइसेमिक इंडेक्स' कम होने के कारण मधुमेह के रोगियों को चावल के स्थान पर उपयोग करने के लिए कहा जाता है। इसकी फसल मुख्यतः छत्तीसगढ़ में होती है। वहां के वनवासियों का यह मुख्य भोजन है।

जौ : जौ में अन्य अनाजों की अपेक्षा सबसे ज्यादा मात्रा में अल्कोहल पाया जाता है। इस कारण यह एक डाइयूरेटिक है और उच्च रक्तचाप वालों के लिए लाभदायक होता है। जौ बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी सहायक होता है। इसमें रेशे, एंटी ऑक्सिडेंट, मैगनीशियम अच्छी मात्रा में होते हैं। इस कारण कब्ज और मोटापे से परेशान लोगों को जौ का इस्तेमाल करना चाहिए। इसका सेवन दलिया, रोटी और खिचड़ी के रूप में किया जाता है।

किसे कहते हैं मोटा अनाज

कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन में मोटे अनाज की हिस्सेदारी 40 फीसद थी। मोटे अनाज के तौर पर ज्वार, बाजरा, रागी (मडुआ), जौ, कोदो, सामा, सांवा, लघु धान्य या कुटकी, कांगनी और चीना जैसे अनाज शामिल हैं।

(मोटे अनाजों का प्रयोग मानव सभ्यता के प्रारंभिक काल से ही किया जाता रहा है। रूस, नाइजीरिया जैसे देशों में पारंपरिक व्यंजनों के रूप में मोटे अनाजों का व्यापक उपयोग किया जाता है।)

बाफ्टा 2022 में लता को दी गई श्रद्धांजलि

लंदन (भाषा)। स्वर-कोकिला लता मंगेशकर को 'ब्रिटिश एकेडमी आफ फिल्म एंड टेलीविजन अवाइर्स' (बाफ्टा) 2022 में श्रद्धांजलि दी गई। रायल एल्बर्ट हॉल में रविवार को आयोजित पुरस्कार में लता मंगेशकर को खास 'द मेमोरियम' खंड में जगह दी गई। मंगेशकर

का उम्र संबंधी परेशानियों के चलते छह जनवरी को निधन हो गया था। वह 92 वर्ष की थी। बाफ्टा ने लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें संगीत जगत की एक 'आइकन' बताया और उन्हें एक भारतीय पार्श्व गायिका के रूप में वर्णित किया, जिसने 70 वर्ष के करियर में 1,000 से अधिक हिंदी फिल्मों के लिए अनुमानित 25,000 गीत गाए। बाफ्टा ने कहा कि वह 1974 में रायल अल्बर्ट हाल में प्रस्तुति देने वाली पहली भारतीय कलाकार थी। बाफ्टा के 'द मेमोरियम' खंड में अभिनेता एवं फिल्म निर्माता सिडनी पोइटियर, निर्देशक इवान रीटमैन, छायाकार हलिना हचिन्स, अदाकारा मोनिका विट्टी और सैली केलरमैन को भी श्रद्धांजलि दी गई।

जजों के पैनल में शामिल होंगी नीतू कपूर

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड की दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर आगामी डांस रियलिटी शो 'डांस दीवाने जूनियर्स' में जज के रूप में टेलीविजन पर कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह जजों के पैनल में शामिल होंगी, जिसमें अभिनेत्री और माडल नोरा फतेही और कोरियोग्राफर मर्जी पेस्टनजी शामिल हैं। डांस रियलिटी शो 'डांस दीवाने जूनियर्स' में 4-14 साल के आयु वर्ग के प्रतियोगी होंगे और वे विजेता के खिताब के लिए एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। मर्जी पेस्टोंजी ने साझा किया, डांस दीवाने जूनियर्स नृत्य का एक शाश्वत उत्सव होगा। मुझे विश्वास है कि यह शो सभी क्षेत्रों के बच्चों को अपनी क्षमता का दोहन करने और अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित करेगा। नीतू ने एक बाल कलाकार के रूप में शुरूआत की थी और 'दो कलियां' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। बाद में उन्होंने 'यादों की बारात' और 'रफू चक्कर' और कई अन्य में प्रमुख भूमिकाएं निभाई। अभिनेत्री अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए भी तैयार हैं और वह है राज मेहता द्वारा निर्देशित 'जुग जुग जीयो' में नजर आएंगी। 'डांस दीवाने जूनियर्स' जल्द ही कलर्स पर प्रसारित होगा।

100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई 'राधेश्याम'

मुंबई (वार्ता) । दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास की फिल्म राधेश्याम ने वर्ल्ड वाइड ग्रास 100 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। प्रभास और पूजा हेगड़े स्टारर 'राधे श्याम' 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

3000 से भी ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज हुई इस रोमांटिक-ड्रामा फिल्म ने 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। राधेश्याम ने 119 करोड़ रुपए का वर्ल्ड वाइड ग्रास बाक्स आफिस कलेक्शन कर लिया है। ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबलन ने बताया कि 'राधे श्याम' इस साल की सबसे बड़ी इंडियन ओपनर फिल्म बन गई है। फिल्म ने पहले दिन के कलेक्शन के मामले में 'पुष्पा' और 'भिमला नायक' का रिकार्ड भी तोड़ दिया है। फिल्म राधेश्याम को 5 भाषाओं तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया गया है।

'द पावर आफ द डाग' बनी सर्वश्रेष्ठ फिल्म

■ **लंदन (भाषा)।**

फिल्म 'द पावर आफ द डाग' का इस साल 'ब्रिटिश एकेडमी आफ फिल्म एंड टेलीविजन अवाड्र्स' में बोलबाला रहा, जिसने लगभग सभी बड़े पुरस्कार अपने नाम किए। अदाकारा एवं हास्य कलाकार रेवेल विल्स ने रॉयल अल्बर्ट हॉल में रविवार को आयोजित पुरस्कार समारोह की मेजबानी की। 'सोनी लिव' पर इसका सीधा प्रसारण किया गया था। मंच पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार देने आए 'द बैटमैन' के अभिनेता एंडी सर्किस ने विजेता की घोषणा करने से पहले अफगानिस्तान और यूक्रेन के शरणार्थियों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार के लिए सरकार पर निशाना साधा।

फिल्म 'द पावर आफ द डाग' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला और उसके लिए ही जेन कैंपियन को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के पुरस्कार से नवाजा गया। जेन कैंपियन की जगह फिल्म के अभिनेता बेनेडिक्ट कम्बरबैच ने पुरस्कार स्वीकार किया। यह न्यूजीलैंड की पृष्ठभूमि पर आधारित एक मनोवैज्ञानिक ड्रामा है। इसके अलावा कामेडी-ड्रामा फिल्म 'कोडा' की निर्देशक सियान हेडर को रूपांतरित पटकथा के लिए पुरस्कार से नवाजा गया। इसके अभिनेता कोटसर ट्राय को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

फिल्म 'कोडा' बधिर व्यक्ति की संतान की कहानी है, जिसमें रूबी, यानी अदाकारा एमिलिया जोन्स ने अपने बधिर माता-पिता और भाई की 'इन्टरप्रेटर' की भूमिका निभाई है। फिल्म में जोन्स के पिता का किरदार ट्राय कोटसर निभाया है। डेनिस विलेन्यूवे द्वारा निर्देशित 'ड्यून' ने तकनीकी श्रेणियों में पांच पुरस्कार हासिल किए, उसे प्रोडक्शन डिजाइन, स्पेशल इफेक्ट, छायांकन, ओरिजिनल स्कोर और साउंड की श्रेणी सम्मानित किया गया।

'द कश्मीर फाइल्स' ने कमाए 27.15 करोड़

मुंबई (आईएएनएस)। कश्मीरी पंडितों के पलायन की कहानी पर आधारित फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री के नवीनतम निर्देशन 'द कश्मीर फाइल्स' ने बाक्स-आफिस पर अभूतपूर्व उछाल देखा है क्योंकि यह रिलीज होने के बाद से अपने तीसरे दिन 27.15 करोड़ रुपए की कमाई करने में सफल रही है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोमवार को ट्विटर पर ये आकड़े साझा किए। उन्होंने लिखा कि दिन 3 (एक दिन की तुलना में) पर 325.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई, न्यू रिकार्ड मेट्रो प्लस मास वेल्ट, मल्टीप्लेक्स प्लस सिंगल स्क्रीन, 'ओपनिंग वीकेंड बिज' पूरे बोर्ड में बहुत अच्छा है, शुक्र 3.55 करोड़, शनि 8.50 करोड़, रविवार को 15.10 करोड की कमाई हुई थी। फिल्म ने कुल 27.15 करोड़ रुपए कमाए। 'द कश्मीर फाइल्स' 11 मार्च को रिलीज हुई थी और इसमें अभिनेता अनुपम खेर, दर्शन कुमार, मिथुन चक्रवर्ती और पल्लवी जोशी ने अभिनय किया था। रिलीज के पहले दिन फिल्म ने रु. 3.55 करोड़ कमाए थे। कहानी 1990 में कश्मीरी पंडित समुदाय के नरसंहार के पीड़ितों की पहली पीढ़ी के वीडियो साक्षात्कार पर आधारित है।

मुंबई में रविवार को 'हेलो हॉल ऑफ फेम' अवाड्र्स में बालीवुड अभिनेत्री कृति सेनन के साथ अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा।

'विक्रम' 3 जून को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

चेन्नई (आईएएनएस)। निर्देशक लोकेश कनकराज की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर, 'विक्रम' 3 जून को रिलीज होगी। इसके निर्माताओं ने सोमवार को घोषणा की। फिल्म में कमल हासन, विजय सेतुपति और फहद फासिल मुख्य भूमिका में हैं। कमल हासन, जिनके प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल फिल्म

का निर्माण कर रहे हैं, ने ट्विटर पर रिलीज की तारीख की घोषणा की। उन्होंने कहा, मैं 3 जून 2022 को सिनेमाघरों में हमारे 'विक्रम' के दुनिया भर में रिलीज होने का इंतजार कर रहा हूं। घोषणा से कुछ घंटे पहले, अभिनेता ने फिल्म के निर्देशक को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक ट्वीट भी किया। लोकेश कनकराज को जन्मदिन की बधाई, जो एक प्रशसक थे, फिर मेरे निर्देशक बने और अब एक भाई बन गए हैं। मुख्य भूमिका निभाने वाले तीन पावरहाउस कलाकारों के अलावा, फिल्म में नारायण, चेंबन विनोद, कालिदास जयराम और गायत्री भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

अप्रैल में जियो सिनेमा एवं नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी 'दसवीं'

मुंबई (भाषा)। अभिषेक बच्चन, निम्रत कौर और यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'दसवीं' डिजिटल मंचों नेटफ्लिक्स और जियो सिनेमा पर सात अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को इसकी घोषणा की। इस फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है। नेटफ्लिक्स और जियो सिनेमा ने अपने-अपने ट्विटर पेज पर फिल्म की रिलीज की तारीख की जानकारी दी। 'दसवीं' की पटकथा रितेश शाह, सुरेश नायर और संदीप लेजेल ने लिखी है। राम बाजपेयी को कहानी का श्रेय दिया गया है। आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता एवं कवि कुमार विश्वास ने इस फिल्म के लिए पटकथा और संवाद लेखन में सलाहकार के रूप में मदद की है।

'अरण्य कंदम' का बनेगा हिंदी रीमेक

मुंबई (आईएएनएस)। फिल्म निर्माता त्यागराजन कुमारराजा की 'अरण्य कंदम' का हिंदी रूपांतरण प्री-प्रोडक्शन में है। इस परियोजना को अजय बहल द्वारा अभिनीत किया जाना है, जो अपनी दुस्साहसिक निर्देशन की सफलता 'सेक्शन 375 ए' के लिए जाने जाते हैं। निर्माता रमेश तौरानी (टिप्स इंडस्ट्रीज) और अक्षय पुरी (12वीं स्ट्रीट एंटरटेनमेंट) ने इस एक्शन थ्रिलर के विशेष अधिकार हासिल कर लिए हैं। 'अरण्य कंदम', एक नव नोयर एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो जैकी श्राफ, रवि कृष्ण, संपत राज, यास्मीन पोनप्पा, गुरु सोमसुंदरम और मास्टर वसंत द्वारा निभाए गए छह पात्रों के जीवन में एक दिन में घटित होती घटना पर आधारित है। 'अरण्य कंदम' तमिल सिनेमा की पहली नव-नोयर फिल्म मानी जाती है और इसे तमिल और भारतीय सिनेमा में एक पंथ फिल्म के रूप में माना जाता है।

माताओं पर वायु प्रदूषण के प्रभाव का बच्चे पर पड़ता है असर

यरूशलेम (आईएएनएस)। शोधकर्ताओं ने बताया है कि गर्भवती महिलाओं पर वायु प्रदूषण का जोखिम उनके शिशुओं वजन पर असर डालता है, जो आगे चलकर खराब स्वास्थ्य परिणामों को जन्म दे सकता है। पर्यावरण अनुसंधान पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में यह भी पता चला है कि कम वजन वाली और निम्न सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाली माताओं को वायु प्रदूषण से प्रभावित होने की संभावना अधिक थी। हिब्रू विश्वविद्यालय (एचयू)-हदासाह ब्रौन स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ के प्रोफेसर हागई लेविन ने कहा कि यह अब स्पष्ट है कि सरकारों को व्यक्ति गत स्तर पर पर्यावरण और स्वास्थ्य डेटा को एकीकृत करने के लिए बुनियादी ढांचे को स्थापित करने की आवश्यकता है। टीम ने वायु प्रदूषक पीएम 2.5 और 2004-2015 के बीच पूरे इजराइल में पैदा हुए 3,80,000 सिंगलटन शिशुओं के जन्म के वजन के बीच संबंध को देखा। टीम ने अधिक सटीक सांख्यिकीय विशलेषण तैयार करने के लिए व्यक्तिगत, अज्ञात डेटा और विस्तृत उच्च-रिजॉल्यूशन प्रदूषक डेटा का उपयोग किया।

'हम साथ साथ हैं' का सान्ग 'एबीसीडी रीक्रिएट

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना और उनकी पत्नी ताहिरा कश्यप ने सुपरहिट फिल्म 'हम साथ साथ हैं' का सान्ग 'एबीसीडी रीक्रिएट किया है। आयुष्मान खुराना और ताहिरा कश्यप अपनी एक्टिविटी को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। इसी बीच ताहिरा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो अपने दोस्तों के साथ मिलकर 'हम साथ साथ हैं' का सान्ग 'एबीसीडी गाते हुए नजर आ रहे हैं। ताहिरा कश्यप ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर राजस्थान स्थित नेशनल पार्क रणथोंबर वेकेशन का एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में आयुष्मान खुराना और उनके दोस्त एक ओपन बस में बैठे हुए दिख रहे हैं और उन्होंने हम साथ साथ हैं के फेमस सान्ग एनबीएसीडी को फिर से रीक्रिएट किया है। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर आयुष्मान खुराना और दोस्तों को टैग करते हुए उन्होंने कैप्शन लिखा, रणथंबौर में हम लोगों को देख रहे हैं।

भाजपा कई पराजित दिग्गजों को पिछले दरवाजे से 'परिषद' में भेजने की तैयारी में

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जबरदस्त जीत के बाद अब भारतीय जनता पार्टी ने पराजित दिग्गजों को पिछले दरवाजे से समायोजित करने विधान परिषद के चुनाव में अपना ध्यान केंद्रित कर दिया है। परिषद के स्थानीय प्राधिकारी क्षेत्र की 36 विधान परिषद सीटों पर चुनाव की प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो जाएगी। इन चुनावों के बाद विधान परिषद में भी भाजपा के बहुमत में आ जाने की संभावना काफी प्रबल है। दोनों सदनों में बहुमत होने का फायदा योगी सरकार-टू को मिलेगा, दोनों सदनों में बहुमत के बाद वह कई महत्वपूर्ण बिल पास करा सकते हैं, जो पिछली सरकार में परिषद में बहुमत नहीं होने के कारण अधर में लटके हुए थे। इसके साथ-साथ इन चुनावों के जरिए बीजेपी अपने उन दिग्गजों को भी परिषद का सदस्य बना सकती हैं,जो विधान सभा चुनाव में हार गए थे, लेकिन पार्टी के लिए इनका किरदार काफी अहम रहा है। जानकार भी कहते हैं कि अभी तक उच्च सदन यानी विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के मुकाबले कम सदस्य संख्या वाली भारतीय जनता पार्टी अब दोबारा सत्ता में लौटने के बाद एमएलसी के इस चुनाव में बहुमत हासिल करने में पूरा जोर लगाएगी। पार्टी आलाकमान विधानसभा चुनाव में अपने हारे दिग्गज नेताओं केशव प्रसाद मौर्य, सुरेश राणा, संगीत सोम, सतीश द्विवेदी, उपेन्द्र तिवारी आदि को एमएलसी बनाकर योगी कैबिनेट में शामिल करने की राह खोल सकता है। इसके अलावा सपा से आए कुछ विधान परिषद सदस्यों और कुछ महिला नेत्रियों अपर्णा यादव आदि को भी टिकट दिया जा सकता है।

गौरतलब हो, पहले यह चुनाव विधानसभा चुनाव के साथ ही करवाने का कार्यक्रम था। चुनाव आयोग ने इसके लिए बाकायदा अधिसूचना भी जारी कर दी थी, लेकिन तमाम राजनैतिक दलों को यह चुनाव कार्यक्रम रास नहीं आ रहा था। इस बारे में प्रमुख राजनीतिक दलों की ओर से केन्द्रीय चुनाव आयोग को पत्र भेजे गये थे और विधान सभा तथा विधान परिषद चुनाव के मतदान की तारीख में टकराव का हवाला देते हुए विधान परिषद की सीटों के चुनाव कार्यक्रम में बदलाव किये जाने का अनुरोध किया। इसके बाद चार फरवरी को इस बाबत जारी अधिसूचना को आयोग ने निरस्त कर दिया। अब इन चुनावों की पूरी प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू होगी।

खैर, बात परिषद की राजनीति की कि जाए तो 100 सदस्यों(सीटों) वाली विधान परिषद में स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों की 36 सीटें यहां राजनीतिक दलों का गणित बदलती रही हैं। वर्ष 2016 के चुनाव में समाजवादी पार्टी की 31 सीटें आई थीं। तब सपा सत्ता में थी। दो सीटों पर पर बसपा जीती थी। रायबरेली से कांग्रेस के दिनेश प्रताप सिंह जीते थे। बनारस से बृजेश कुमार सिंह व गाजीपुर से विशाल सिंह ह्यचंचलह्न चुने गए थे। दिनेश प्रताप सिंह बाद में भाजपा में शामिल हो गए। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भाजपा इसमें अधिक से अधिक सीटें जीतकर विधान परिषद में बहुमत हासिल करना चाहेगी, जबकि सपा अपनी सीटें बचाने में जुटेगी। ज्ञातव्य हो, विधान परिषद में स्थानीय प्राधिकार निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतें, जिला पंचायतें, क्षेत्र पंचायतें व छावनी बोर्ड के सदस्य मतदान करते हैं। वर्ष 2016 के चुनाव में कुल 1,27,491 मतदाता थे। यह चुनाव 938 मतदान केंद्रों पर हुआ था। इस बार के चुनाव में यह संख्या करीब 1.40 लाख होने की उम्मीद है। आयोग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार 30 विधान परिषद सीटों के लिए 15 मार्च से नामांकन दाखिल किए जाएंगे। 19 मार्च नामांकन दाखिले की आखिरी तारीख होगी। 21 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 23 मार्च तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। अगर जरूरी हुआ और एक सीट पर एक से अधिक नामांकन हुए तो 09 अप्रैल को मतदान करवाया जाएगा। 12 अप्रैल को मतगणना करवाई जाएगी और परिणाम घोषित होंगे। पहले चरण में जिन 30 सीटों पर चुनाव होने हैं, उसमें मुरादाबाद-बिजनौर, रामपुर-बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, हरदोई, खीरी, सीतापुर, लखनऊ-उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़, सुलतानपुर, बाराबंकी, बहराइच, आजमगढ़-मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, मीरजापुर-सोनभद्र, इलाहाबाद, बांदा-हमीरपुर, झांसी-जालौन-ललितपुर, कानपुर-फतेहपुर, इटावा-फरुर्खाबाद, आगरा-फिरोजाबाद, मथुरा-एटा-मैनपुरी, अलीगढ़, बुलंदशहर, मेरठ-गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर-सहारनपुर। बता दें मथुरा-एटा-मैनपुरी सीट से दो सदस्य चुने जाते हैं बाकी सभी निर्वाचन क्षेत्रों से एक-एक सदस्य का चुनाव होता है।

मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव हो सकती हैं योगी कैबिनेट 2.0 का हिस्सा, मिल सकता है मंत्रिपद

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की बहू और हाल ही में बीजेपी में शामिल होने वाली अपर्णा यादव योगी सरकार में मंत्री बनाई जा सकती हैं। संभावना है। कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई अदिति सिंह ने बीजेपी की टिकट पर रायबरेली से जीत दर्ज की थी और अब वो योगी कैबिनेट का हिस्सा बन सकती हैं। जानकारी

जानकारी के मुताबिक योगी आदित्यनाथ की नई कैबिनेट में अपर्णा यादव को मंत्री बनाने की चर्चा काफी तेज है। सूत्रों के मुताबिक योगी कैबिनेट 2.0 में अपर्णा यादव के अलावा अदिति सिंह को भी मंत्री बनाए जाने की के मुताबिक योगी सरकार की नई कैबिनेट में दो पूर्व आईपीएस अधिकारियों राजेश्वर सिंह और असीम अरूण को भी शामिल किया जाएगा। लखनऊ की सरोजनी नगर सीट से चुनाव जीतकर आए डॉ। राजेश्वर सिंह यूपी पुलिस विभाग में अधिकारी रहे हैं जबकि कन्नौज सदर सीट से चुनाव जीतने वाले बीजेपी विधायक असीम अरुण एडीजी रैंक के अधिकारी रहे हैं। इसके अलावा बीजेपी के शीर्ष नेताओं में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे और नोएडा से रिकार्ड मतों से जीत दर्ज करने वाले विधायक पंकज सिंह को भी योगी मंत्रिमंडल में शामिल करने की बात चल रही है। शलभ मणि त्रिपाठी जिन्हें सीएम योगी आदित्यनाथ का करीबी भी कहा जाता है, उन्हें भी मंत्री बनाए जाने की चर्चा है। शलभ मणि त्रिपाठी ने देवरिया सीट से जीत दर्ज की है। नए चेहरों के अलावा पुराने नेता जैसे सुरेश खन्ना को भी मंत्रीपद दिया जा सकता है जिन्होंने शाहजहांपुर सीट से लगातार नौंवी बार जीत दर्ज की है। खबर है कि केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को भी कैबिनेट में दोबारा जगह मिल सकती है।

अखिलेश यादव करहल सीट छोड़ते हैं तो कौन होगा सपा का उम्मीदवार?

मैनपुरी। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव करहल सीट छोड़ सकते हैं। ऐसी चर्चाएं विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद से ही शुरू हो गईं। ऐसे में अगर करहल सीट पर उपचुनाव होता है तो सपा किसे उम्मीदवार बनाएगी ? इसे लेकर भी कयासबाजी शुरू हो गई है। स्थानीय सपा नेताओं से लेकर पार्टी के बड़े नेताओं के नाम चर्चा में हैं। इस बार अखिलेश यादव ने मैनपुरी की करहल सीट से पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा। उन्होंने रिकॉर्ड 67504 मतों से भाजपा के केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल को हराया। करहल सीट पर अब तक की यह सबसे बड़ी जीत है। हालांकि प्रदेश में विधानसभा चुनाव के परिणाम सपा के पक्ष में नहीं आए। भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ फिर से सरकार का गठन करने जा रही है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव आजमगढ़ से सांसद हैं। वहीं अब करहल से विधायक भी बन गए हैं। उनकी जीत के साथ ही करहल सीट पर उपचुनाव की अटकलें तेज हो गई हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अखिलेश यादव संसद की सदस्यता से इस्तीफा नहीं देंगे। इससे स्पष्ट है कि वह करहल विधानसभा सीट छोड़ देंगे। अगर ऐसा हुआ तो करहल सीट पर उपचुनाव होगा। अगर करहल सीट पर उपचुनाव होता है तो पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव की प्रबल दावेदारी मानी जा रही है। सोबरन सिंह करहल से लगातार तीन बार विधायक चुने गए हैं। 2017 के चुनाव में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को 40 हजार से अधिक वोट के बड़े अंतर से शिकस्त दी थी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी के छापेमारी में करीब पौने सत्रह लाख का सामान सीज

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में होली पर्व के अवसर पर आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरूद्ध विशेष अभियान के तहत तहसीलवार उपजिलाधिकारी एवं नायब तहसीलदार के नेतृत्व में अभिहित अधिकारी के निर्देशन में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा अभियान चलाकर नमूना संग्रह वही दुसरी तरफ अधोमानक एवं मिथ्याछाप के आधार पर कुल 33016 कि0ग्रा0 खाद्य पदार्थ को सीज किया गया जिसका अनुमानित मूल्य 1684306 रुपए बतायी जा रही है। अभियान के द्वौरान जनपद के कान्हा स्वीट्स, जटहां रोड पडरौना से काजू की बर्फी वही गोविन्द मोदनवाल, रामकोला रोड पडरौना से छेना की मिठाई, अजय कुमार तिलक चौक पडरौना से बेसन, गणपति इण्टर प्राईजेज, आंनन्द बंका कोतवाली रोड पडरौना से नमकीन (अर्जुन), सप्लायर-टण्डन ट्रेडिंग कम्पनी, पितामपुर नई दिल्ली-110034 की गाड़ी से अभियानकपुर कुशीनगर से पान मसाला (दिलबाग तलब रॉयल), ट्रांसपोर्टर/विनिमार्ता-गोयल इडिब्ल प्रा.लि. इण्डस्ट्रीज एरिया खलीलाबाद सन्त कबीर नगर गाड़ी यूपी 53 डी टी 7154 से अभियानकपुर कुशीनगर से मैदा, चक्की आटा, सुजी एवं इसी क्रम में अरूण अग्रवाल बोदरवार से बेसन, रविन्द्र प्रसाद बोदरवार से काजू ब्राण्ड आर.पी., उमाशंकर पगार मिश्रौली कप्तानगंज से मिल्क केक, अरविन्द केरवनिया कप्तानगंज से बेसन व राजदेव केरवनिया कप्तानगंज से काशी नमकीन के नमूने लिए गये। इस अभियान के दौरान पान मसाला (दिलबॉग तलब रायॅल) 3002.61 कि0ग्रा0 अनुमानित मूल्य 1015524 रूपया सीज कर सप्लायर (बाया ड्राईवर) के अभिरक्षा में दे दिया गया, तथा सुजी 5278 कि0ग्रा0, अनुमानित मूल्य 125125 रूपया, मैदा 22098 कि0ग्रा0 अनुमानित मूल्य 485095 रूपया, चक्की आटा 2638 कि0ग्रा0 अनुमानित मूल्य 58562 रुपएं को सीज कर अभिरक्षा में दे दिया गया। वही अभियान के अन्तर्गत लाल मिर्च पाउडर (केवल ब्राण्ड) 21.600 कि0ग्रा0, जिसका अनुमानित मूल्य रू0-6696 को नष्ट कराया गया। अभिहित अधिकारी द्वारा बताया गया कि लिये गये नमूने जॉच हेतु प्रयोगशाला भेज दिये गये है। जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त सम्बन्धित खाद्य कारोबारकर्ता के विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जायेगी तथा यह अभियान अनवरत जारी रहेगा। छापेमारी टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी, सतीश कुमार, ब्रिजेश कुमार, पंकज कुमार कन्नौजिया, मनोज कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार राना, सच्चिदानन्द गुप्ता सम्मिलित थे।

बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती पर मायावती ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। दलितों की मसीहा कहलाने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मुखिया मायावती ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा चमचा युग में बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर के मिशन पर डटे रहना बहुत बड़ी बात है, मगर बसपा अपने आंदोलन के दम पर इस मुहिम को आगे बढ़ा रही है। मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती पर यहां उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने बाद में जारी बयान में कहा कि देश के करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अन्य उपेक्षित वर्गों को लाचारी की जिंदगी से निकाल कर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने के बसपा के संघर्ष के दृढ़ संकल्प के साथ लगातार डटे रहना ही कांशीराम को सच्ची श्रद्धांजलि है।

मायावती ने कहा, वास्तव में वर्तमान में जारी चमचा युग में बाबा साहेब डॉक्टर आम्बेडकर मिशन पर अपने खून पसीने से अर्जित धन के बल पर डटे रहना कोई मामूली बात नहीं, बल्कि यह बड़ी बात है जो बहुजन समाज के आंदोलन की ही देन है और इसके बल पर ही बसपा ने खासकर उत्तर प्रदेश में कई ऐतिहासिक सफलताएं भी अर्जित की हैं। आगे भी हमें हर हाल में अपने उसूलों के साथ संघर्ष में लगातार डटे रहना है। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने आम्बेडकर के आत्म सम्मान और स्वाभिमान के मानवतावादी अभियान को जीवंत बनाने के लिए पूरी जिंदगी कड़ा संघर्ष किया एवं कई कुर्बानियां दीं। उन्होंने कहा कि इसके बल पर बसपा ने काफी सफलता अर्जित की और देश की राजनीति को नया आयाम दिया।

पत्नी को मारने के लिए तमंचा लेकर घूमता रहा पूरे गांव में, पुलिस के आते ही हालत हो गई खराब

मैनपुरी। घिरोर थाना क्षेत्र के गांव विधूना में रविवार की देर शाम दंपती के बीच विवाद हो गया। गुस्साया पति, पत्नी को मारने के लिए तमंचा निकाल लाया और उसे ढूंढता रहा। सूचना पर पीआर डी कर्मी मौके पर पहुंचे तो आरोपी भाग गया। पुलिस ने घर से तमंचा बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। गांव विधूना की रहने वाली आरती का रविवार की देरशाम पति अरविंद से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ। पति को गुस्से में देख आरती घर से बाहर निकल आई। कुछ देर बाद ही अरविंद भी घर से बाहर आ गया। उसके हाथ में तमंचा था, जिसे देख आरती बुरी तरह डर गई।अरविंद बहुत गुस्से में था और पत्नी को मारने के लिए धमका रहा था। ये देख आरती उससे बचने के लिए छिप गई और इस बीच उसने 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दे दी। सूचना पर पीआर डी701 पर तैनात हेड कांस्टेबल नवेंद्र सिंह, कांस्टेबल ऋषि कुमार मौके पर पहुंच गए।

किसान मोर्चा की बैठक में हुए 2 बड़े ऐलान 21 मार्च को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन

लखनऊ। संयुक्त किसान मोर्चा दिल्ली में हुई अपनी बैठक में 11 से 17 अप्रैल तक एमएसपी गारंटी सप्ताह मनाने का फैसला किया है। इसके साथ ही लखीमपुर खीरी कांड में सरकार की भूमिका और किसानों के आंदोलन को दिए गए आश्वासनों के साथ विश्वासघात को लेकर 21 मार्च को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थित गांधी पीस फाउंडेशन के एक बंद कमरे में हुई बैठक में ये दोनों फैसले लिए गए। बता दें कि, हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की बड़ी जीत से किसान मोर्चा को एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल, किसान मोर्चा ने चुनावों में बीजेपी का कड़ा विरोध किया था, लेकिन चुनावी नतीजों में किसानों के विरोध का कोई खास असर देखने को नहीं मिला। जानकारी के अनुसार, किसानों से किए गए वादों पर केंद्र द्वारा अभी तक उठाए गए कदमों

की समीक्षा करने और भविष्य के कदमों पर निर्णय लेने के लिए किसान मोर्चा की दिल्ली में हुई एक दिवसीय बैठक में इन फैसलों पर मुहर लगाने के साथ ही आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। किसान नेताओं का आरोप है कि सरकार ने अपने वादे के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कमेटी गठित नहीं की है। संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र के विवादित तीन कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल लंबे आंदोलन का नेतृत्व किया था। उसने पिछले साल नौ दिसंबर को उस समय आंदोलन बंद कर दिया था, जब मोदी सरकार ने इन विवादित कानूनों को वापस ले लिया था और उनकी छह मांगों पर विचार करने पर राजी हो गई थी, जिनमें आंदोलन के दौरान किसानों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेना, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी देना और प्रदर्शन के दौरान मारे गए किसानों के परिजन को मुआवजा देना शामिल है।

सपा के लिए दे दी अपनी बाइक, अखिलेश ने दिया रिटर्न गिफ्ट

बांदा। यूपी चुनाव नतीजों के बाद अब कुछ शर्तें जीतने-हारने की खबरें भी हार रही हैं। चुनाव नतीजों के साथ ही शर्तों के नतीजे भी तय हो गए हैं। ऐसा ही एक मामला बांदा में आया था, जहां दो दोस्तों में शर्त लगी थी। इसमें सपा समर्थक ने शर्त हारने पर दोस्त को तुरंत अपनी बाइक दे दी थी। इस खबर का संज्ञान सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने लिया है। अखिलेश यादव ने अपने समर्थक को लखनऊ बुलाकर बाइक के नुकसान की भरपाई के लिए एक लाख रुपये का चेक दिया। साथ ही कभी जीवन में कभी भी शर्त न लगाने की हिदायत दी। इस शर्त को लेकर बाकायदा स्टांप पेपर पर लिखा-पढ़ी भी हुई थी। सपा समर्थक ने बताया कि मैंने अपने दोस्त के साथ शर्त लगाई थी कि अगर सपा जीती तो वह अपना टैंपो मुझे देगा, अगर भाजपा चुनाव जीती तो मैं अपनी बाइक दूंगा। चुनाव नतीजे आए तो सपा को हार मिली और इस तरह सपा समर्थक अपनी शर्त हार गया। सपा समर्थक अवधेश कुशवाहा ने अखिलेश यादव से मिलने के बाद कहा कि मैं बाइक से गांव-गांव जाकर बिजली का सामान बेचता था।

यूपी बोर्ड परीक्षा 2022: मैनपुरी के परीक्षा केंद्रों की लखनऊ से होगी मॉनीटरिंग

मैनपुरी। यूपी बोर्ड 2022 परीक्षा के लिए जिले में 95 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा की जनपद स्तर और प्रदेश स्तर पर मॉनीटरिंग कराई जाएगी। प्रदेश स्तर पर परीक्षा की मॉनीटरिंग के लिए ट्रायल शुरू कर दिया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार वर्मा ने जिले के सभी केंद्रों के प्रधानाचार्यों को सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर को चालू रखने के निर्देश दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद 24 मार्च से शुरू होने जा रहीं यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं की ऑनलाइन निगरानी व मॉनीटरिंग कराएगा। परीक्षा पूर्व मॉनीटरिंग का ट्रायल सोमवार से शुरू कर दिया गया। निदेशक माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्देश पर लखनऊ निदेशालय में स्थित कंट्रोल रूम से जिले के सभी 95 कॉलेजों को जोड़ा गया है। परीक्षा से पूर्व परीक्षा की निगरानी के लिए ट्रायल शुरू कर दिया गया है। सोमवार को जिले के सभी 95 केंद्रों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए गए थे कि वे सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक सीसीटीवी कैमरों और डीवीआर को चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं।

कलक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम से भी होगी निगरानी- यूपी बोर्ड परीक्षा 2022 में सरकार और जिला प्रशासन किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करना चाहता है। परीक्षा से पहले ही प्रदेश और जनपद स्तर पर निगरानी की व्यवस्थाओं का ट्रायल किया जा रहा है। जनपद स्तर पर कलक्ट्रेट पर निगरानी कक्ष की स्थापना की जाएगी। केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी का कार्य किया जाएगा।

कनेक्ट न होने वाले कॉलेज के टेक्नीशियन को जाना होगा लखनऊ- जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि ट्रायल शुरू कर दिया गया है। जिन कॉलेजों के सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर राज्य स्तरीय मॉनीटरिंग रूम से नहीं जुड़ सकेंगे उन्हें अपने टेक्नीशियन के साथ निदेशालय जाना होगा और वहां अपने कॉलेज के कैमरों को कनेक्ट कराना होगा।

लोकसभा में गिरीश चंद्र जाटव बीएसपी नेता

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव में शर्मनाक हार के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने लोकसभा में पार्टी के नेता के पद से रितेश पांडे को हटाकर उनकी जगह गिरीश चंद्र जाटव को कमान दी है। गिरीश चंद्र जाटव की जगह संगीता आजाद लेंगी। मायावती ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को खत लिखकर यह जानकारी दी है। मायावती के इस फैसले को यूपी चुनाव में पार्टी की हार और अगले लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति में बदलाव से जोड़कर देखा जा रहा है। मायावती ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को खत लिखकर बदलाव की जानकारी देते हुए कहा है कि पार्टी ने लोकसभा में दल के नेता रितेश पांडे की जगह अब गिरीश चंद्र जाटव को नामित किया है। राम शिरोमणि वर्मा उपनेता बने रहेंगे। संगीता आजाद को गिरीश चंद्र जाटव की जगह चीफ व्हिप बनाने का फैसला लिया गया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है। पार्टी को महज एक सीट पर जीत हासिल हुई तो वोट शेयर में भी करीब 10 फीसदी की गिरावट आ गई है।

त्यौहारो पर छोटी-छोटी बातों का भी रखे विशेष ध्यान- मंडलायुक्त

मऊ। विजय विश्वास पंत आयुक्त आजमगढ़ मंडल आजमगढ़ की अध्यक्षता में आगामी होली एवं शबे बरात के त्यौहार को सकुशल संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में पुलिस उपमहानिरीक्षक अखिलेश कुमार आजमगढ़, जिलाधिकारी अरुण कुमार, पुलिस अधीक्षक सुशील घुले मुख्य विकास अधिकारी राम सिंह वर्मा,

होली एवं शबे बरात त्यौहार के तैयारियों की ली समीक्षा बैठक

मुख्य चिकित्सा अधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त थानाध्यक्ष एवं समस्त अधिशासी अभियंता के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि जिला मुख्यालय स्तर पर होली एवं शबे बरात त्यौहार को लेकर समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी क्षेत्राधिकारियों एवं उप जिलाधिकारियों द्वारा किए गए तैयारियों के बारे में अवगत कराने को कहा गया। जिस पर क्षेत्राधिकारी सदर ने त्यौहार की तैयारियों के बारे में बताया कि रामपुर चकिया, खेदुपूरा एवं राजाराम पूरा शहर तथा अन्य जगहों से जुलूस निकाला

जाता है। जिन रास्तों से जुलूस निकालें जाते है उन रास्तों का चिंहीकरण कर लिया गया है। जिसपर पुलिस बल तैनात रहेगी। क्षेत्राधिकारी मोहम्मदाबाद गोहना द्वारा बताया कि संवेदनशील जुलूसो का चिंहीकरण कर लिया गया है, जिसे ध्यान में रखकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। सभी क्षेत्राधिकारी एवं उप जिलाधिकारियों द्वारा अपने-अपने संबंधित क्षेत्रों में पूर्ण तैयारी की जानकारी दी गई। जिस पर पुलिसउप महानिरीक्षक संतुष्ट दिखे। उप महानिरीक्षक पुलिस ने बताया की शुक्रवार के दिन होली का त्यौहार पड़ने के कारण मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा करेंगे। जिसका विशेष रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने बताया कि जिन व्यक्तियों पर संदेह हो कि त्यौहार के दिन समस्या उत्पन्न कर सकतें हैं, उन पर विशेष ध्यान रखे। उन्होंने कहा कि शराब की दुकानों का निरंतर जांच करें जिससे मिलावटी व नकली शराब की बिक्री न होने पाए। उन्होंने कहा कि त्यौहार की तैयारियों में लगे पुलिस अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी। मंडलायुक्त द्वारा बताया गया कि पिछले 2 सालों से होली न होने के कारण तथा चुनाव के ठीक बाद होली त्यौहार मनाया जाएगा इसलिए यह त्यौहार महत्वपूर्ण है जिस पर छोटी-छोटी बातों का भी विशेष ध्यान देना होगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नियम बनाने वाले ही खुद नही करते नियम का पालन

मधुबन, मऊ। जब नियम बनाने वाला ही खुद नियम का पालन नहीं करता तो आम जनता नियमों का पालन कैसे करें। उक्त वाकया वाराणसी भटनी रेलवे की पटरी पर उधरन क्रॉसिंग के पास का है, जहां एक सिपाही द्वारा गेट बंद होने के बाद भी ट्रेन के आने का इंतजार न करते हुए क्रॉसिंग के नीचे से अपनी मोटरसाइकिल को पास कर रहा है। ऐसे में आम जनता अगर इस तरह का कार्य करती है तो उस पर प्रशासन और शासन का नियम व डंडा चलने लगता है।

रोटरी क्लब ने आयोजित कराया निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर

मऊ। रोटरी क्लब मऊ एवं डा. वी सिंह मेमोरियल सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को निःशुल्क आँख का ऑपरेशन शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में निःशुल्क 09 मरीजो जो विभिन्न आँख बिमारिओ से ग्रसित थे उनका ऑपरेशन किया गया। रोटरी क्लब मऊ के अध्यक्ष डा. संजय सिंह ने शिविर का शुभारंभ किया। कहा कि शरीर के सभी अंग महत्वपूर्ण हैं, लेकिन आंख की भूमिका सबसे अलग है। नेत्र ही हमें देखने की क्षमता देते हैं, इसलिए इनकी देखरेख में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतनी चाहिए। आगे डा. सिंह ने बताया की पिछले महीने रोटरी क्लब मऊ की तरफ से आँख की जांच शिविर का आयोजन हुआ था जिसमे 45 लोगों ने नेत्र परीक्षण कराया। नेत्र परीक्षण के बाद मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए 09 रोगियों का

चयन किया गया था जिनका आज सफल ऑपरेशन हुआ। अंत में डॉ सिंह ने बताया की रोटरी क्लब का दायित्व बनता है की जो समाज के जरुरतमंद लोग है जो किसी कारणवश अपना इलाज नहीं करा पाते है उन्हें एक अच्छी सुविधा एव इलाज मुहैय्या कराया जाये। कोई भी पैसे के अभाव में इलाज से वंचित नहीं होना चाहिए। रोटरी क्लब मऊ अब निरंतर तौर पर ऐसे कार्यक्रम का आयोजन करता रहेगा। आगे डा. वी सिंह मेमोरियल के चिकित्सक डा. क्षितिज आदित्य ने रोटरी क्लब मऊ की सराहना करते हुए कहा की क्लब की ये मुहीम काबिलेतारीफ है और उम्मीद करता हूँ की ये ऐसे ही जारी रहेगी। कार्यक्रम संयोजक डॉ सुजीत सिंह रहे।

भारतीय टीम ने घरेलू मैदानों पर लगातार 15वीं टेस्ट सीरीज जीती

पिंक बॉल टेस्ट में श्रीलंका को 238 रन से रौंदा, सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप की

बेंगलुरु (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह (कुल आठ विकेट) और रविचंद्रन अश्विन (कुल छह विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने श्रीलंका को यहां दूसरे पिंक बॉल टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे ही दिन 59.3 ओवर में 208 रन पर ऑलआउट कर 238 रन से बड़ी जीत दर्ज की। इसी के साथ भारत ने दो मैचों की यह सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। भारतीय टीम ने घरेलू मैदानों पर लगातार 15वीं टेस्ट सीरीज जीती।

भारतीय टीम पिछली बार महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में घरेलू टेस्ट सीरीज नवंबर 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ हारी थी। उसके बाद से अब तक भारतीय टीम घरेलू टेस्ट सीरीज में हारी नहीं है। यह भी एक रिकॉर्ड है, क्योंकि आज तक किसी भी टीम ने अपने घरेलू मैदानों पर इतनी सीरीज नहीं जीती है। भारत की चार डे-नाइट टेस्ट में तीसरी जीत हैं। श्रीलंका के एक विकेट पर 28 रन से आगे खेलना शुरू किया। कप्तान दिमुत करुणारत्ने और कुशल मेंडिस ने पहले सत्र में 97 रन की साझेदारी की, लेकिन अश्विन ने इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद श्रीलंका ने लगातार दो और विकेट खो दिए। इसके बाद करुणात्ने और निरोशन डिकवेला के बीच 55 रन की साझेदारी हुई, लेकिन अक्षर ने डिकवेला का विकेट लेकर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद श्रीलंका के विकेट निरंतर अंतराल में गिरते गए फिर अश्विन ने अंत में विश्व फर्नांडो को आउट कर मैच समाप्त किया। श्रीलंका की तरफ से करुणात्ने ने दूसरी पारी 107 रन की शतकीय पारी खेली। मैन ऑफ द मैच श्रेयस अय्यर दोनों पारियों में बल्ले के साथ शानदार रहे। विकेटकीपर ऋषभ पंत प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि श्रेयस अय्यर चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे जैसे बड़े खिलाड़ियों की जगह भरने के लिए अच्छा कर रहे हैं।

रविचंद्रन अश्विन ने डेल स्टेन को पीछे छोड़ा

भारतीय अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने धनंजय का विकेट लेने के साथ ही टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज डेल स्टेन के 439 विकेटों के आंकड़े को पार कर लिया। अश्विन के नाम अब 86 टेस्ट मैचों में 440 विकेट हो गए हैं। इसी के साथ वह सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले आठवें गेंदबाज बन गए हैं। नरेंद्र हिरवानी (16 विकेट) के बाद किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा अपने पहले टेस्ट मैच में यह दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। अश्विन के नाम अपने पहले 16 टेस्ट मैचों में नौ बार पांच विकेट लेने का विशिष्ट रिकॉर्ड भी है।

मैच के खास बिंदु

- अश्विन के डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा 100 विकेट हो गए हैं। वह दुनिया के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अब तक दोनों अवधि में विकेटों का शतक पूरा किया है।
- अश्विन ने आखिरी विकेट लेकर मैच में जीत दिलाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न की बराबरी कर ली। वॉर्न और अश्विन ने 22 बार किसी मैच का अंतिम विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई।
- टेस्ट क्रिकेट में ऋषभ पंत प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बल्लेबाज बने। एमएस धोनी 94 टेस्ट मैच खेलकर भी यह कमाल नहीं कर पाए थे।
- भारत ने श्रीलंकाई टीम का टेस्ट सीरीज में तीसरी बार क्लीन स्वीप कर किया। इससे पहले टीम इंडिया 1993-94 और 2017 में श्रीलंका का टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर चुकी है।
- इस जीत के साथ भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में 12 बहुमूल्य अंक प्राप्त किए जो उसे पांचवें से चौथे स्थान पर लेकर गए। वहीं श्रीलंका पांचवें स्थान पर खिसक गया।

स्कोर बोर्ड

भारत (पहली पारी 252, दूसरी पारी 303/9 पारी घोषित)

श्रीलंका (पहली पारी 109)

श्रीलंका दूसरी पारी	रन	गेंद	4/6
विरिमाने पगबाधा बुमराह	00	03	0/0
दिमुथ करुणारत्ने बो. बुमराह	107	174	15/0
कुशल स्टं. पंत बो. अश्विन	54	60	8/0
एंजेलो मैथ्यूज बो. जडेजा	01	05	0/0
धनंजय कै. विहारी बो. अश्विन	04	21	0/0
निरोशन स्टं. पंत बो. अक्षर	12	39	0/0
असलंका कै. रोहित बो. अक्षर	05	20	1/0
एम्बुलदेनिया पगबाधा अश्विन	02	22	0/0
सुरंगा लकमल बो. बुमराह	01	04	0/0
विश्वा फर्नांडो कै. शमी बो. अश्विन	02	06	0/0
प्रवीण जयविक्रमा नाबाद	00	04	0/0

अतिरिक्त: 20, कुल: 59.3 ओवर में 208 रन, **विकेट पतन:** 1-0, 2-97, 3-98, 4-105, 5-160, 6-180, 7-204, 8-206, 9-208, 10-208, **गेंदबाजी:** जसप्रीत बुमराह 9-4-23-3, मोहम्मद शमी 6-0-26-0, रविचंद्रन अश्विन 19.3-3-55-4, रवींद्र जडेजा 14-2-48-1, अक्षर पटेल 11-1-37-2

बतौर कप्तान रोहित ने भारत को दिलाई लगातार 14वीं जीत

सभी प्रारूपों में भारत के नव नियुक्त कप्तान रोहित शर्मा ने श्रीलंका के पिंक बॉल टेस्ट मैच जीत के बाद बतौर कप्तान भारत को लगातार 14वीं जीत दिलाई। बतौर कप्तान रोहित की पिछली पांच सीरीज पर नजर डालें तो हर सीरीज में भारत ने प्रतिद्वंद्वी टीम को क्लीन स्वीप किया। पिछले साल नवंबर-दिसंबर में रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टी-20 सीरीज के लिए कप्तानी संभाली, जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड को 3-0 से हराया। उसके बाद भारत ने फरवरी में तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों के लिए वेस्ट इंडीज की मेजबानी की और दोनों ही शृंखलाओं को 3-0 से क्लीन स्वीप किया और अब श्रीलंका को टी-20 और टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया। भारत ने टी-20 सीरीज को 3-0 और टेस्ट सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप किया। घर पर खेले गए इस अंतर्राष्ट्रीय सीजन में भारतीय टीम ने 16 मैच खेले जिसमें से उसने 15 मैच जीते और कानपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक मैच ड्रॉ रहा।

बांग्लादेश ने महिला विश्व कप में पहली जीत दर्ज की

सिदरा के शतक के बावजूद हारा पाक

हैमिल्टन। सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन (104) के शानदार शतक के बावजूद पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम यहां सोमवार को 2022 महिला क्रिकेट विश्व कप मैच में बांग्लादेश से नौ रन से हार गई। उल्लेखनीय है कि टूर्नामेंट में पाकिस्तान की यह लगातार चौथी हार है, जबकि बांग्लादेश ने पहली जीत दर्ज की है।

पाकिस्तान ने टॉस जीत कर बांग्लादेश को बल्लेबाजी का न्योता दिया और उसे 50 ओवर में सात विकेट पर 234 के स्कोर पर रोक दिया। जवाब में पाकिस्तान 50 ओवर में नौ विकेट पर 225 रन बना सका। पाकिस्तान ने हालांकि सलामी बल्लेबाजों नाहिदा खान और सिदरा अमीन ने पहले विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी की। नाहिदा के आउट होने के बाद कप्तान बिस्माह मारूफ ने सिदरा के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की लेकिन 155 के स्कोर पर बिस्माह के आउट होने के बाद पाकिस्तान की पारी लड़खड़ा गई। पाक ने महज 33 रन के अंदर पांच विकेट खो दिए।

सिदरा ने 104 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि नाहिदा ने 43 और बिस्माह ने 31 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में नशरा संधू तीन विकेट तथा फातिमा सना, निदा दार और ओमैमा सोहेल ने एक-एक विकेट लिया। वहीं बांग्लादेश की ओर से फरगना हक ने सर्वाधिक 71 रन बनाए, जबकि गेंदबाजी में फहीमा खातून ने आठ ओवर में 38 रन पर सर्वाधिक तीन विकेट लिए। उन्हें शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

द. अफ्रीका ने इंग्लैंड को तीन विकेट से हराया

माउंट माउंगानुइ। मरीजान कप (45 रन पर पांच विकेट, 32 रन) के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने महिला विश्व कप 2022 के रोमांचक मैच में गत चैंपियन इंग्लैंड को तीन विकेट से हरा दिया। छोटे लक्ष्य के बावजूद मैच रोमांचक रहा। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीत कर गेंदबाजी लेते हुए इंग्लैंड को 50 ओवर में नौ विकेट पर 235 रन पर रोक दिया और फिर लौरा वोल्वाड्र्ट, कप्तान सुने लुस और मरीजान की महत्वपूर्ण पारियों से 49.2 ओवर में सात विकेट पर 236 रन बना कर मैच जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पाक पर कसा शिकंजा

पाकिस्तानी टीम 148 पर सिमटी, ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त 489 रन

कराची। मिशेल स्टार्क के तीन विकेट की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को यहां दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन थकी हुई पाकिस्तानी टीम पर पूरी तरह से शिकंजा कस दिया।

ऑस्ट्रेलिया के पहली घोषित पारी नौ विकेट पर 556 रन के जवाब में पाकिस्तानी टीम महज 148 रन के भीतर सिमट गई जो दो दिन से ज्यादा समय तक क्षेत्ररक्षण करने के बाद 53 ओवर ही खेल सकी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने फॉलो ऑन नहीं दिया और स्टंप तक 17 ओवर में एक विकेट गंवाकर 81 रन बना लिए जिससे उसकी कुल बढ़त 489 रन की हो गई। मार्नस लाबुशेन 37 और पहली पारी के शतकवीर उस्मान ख्वाजा 35 रन बनाकर खेल रहे थे। पाकिस्तानी पारी में सबसे बड़ी साझेदारी अंतिम विकेट के लिए नौमान अली (नाबाद 20 रन) और शाहीन अफरीदी (19 रन) के बीच 30 रन की रही। पाकिस्तानी पारी में कप्तान बाबर आजम (36) शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया के पहले सत्र में पहली पारी घोषित करने के बाद पाकिस्तान का बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया था और चाय तक उसका स्कोर सात विकेट पर 100 रन था। स्टार्क की तेज गेंदों का इसमें अहम योगदान रहा जिन्होंने अजहर अली और फवद आलम के लगातार गेंदों पर विकेट झटके।

पांच भारतीय महिला मुक्केबाजों ने युवा वर्ग में जीते स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। तमन्ना (50 किलो) और निवेदिता कारकी (48 किलो) समेत पांच भारतीय महिला मुक्केबाजों ने जोर्डन के अम्मान में चल रही एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में युवा वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। शाहीन (60 किलो), रवीना (63 किलो) और मुस्कान (75 किलो) ने भी अपने अपने वर्ग में पीला तमगा हासिल किया। रेणु, तनीषा लाम्बा, प्राची, प्रांजल यादव और स्नेहा ने सेमीफाइनल में पहुंचकर कांस्य पदक पक्का कर लिया था। भारत ने सभी 12 वर्गों में पदक जीते।

आडवाणी एशियाई स्नूकर के नॉकआउट में

दोहा। गत एशियाई चैंपियन पंकज आडवाणी ने अपने तीनों मैच जीत कर ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते एशियाई स्नूकर चैंपियनशिप के नॉकआउट चरण के लिए क्वॉलीफाई कर लिया है। पंकज को कतर के मंसूर अलोबैदली, श्रीलंका के मोहम्मद थाहा इरशात और पाकिस्तान के अहसान रमजान के साथ रखा गया था। उन्होंने अपने पहले मैच में इरशात पर 4-2 से जीत दर्ज की, जबकि दूसरे मैच में अलोबैदली को 4-0 से हराया और फिर रविवार को यहां कतर बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन (क्यूबीएसएफ) अकादमी में तीसरे मैच में विश्व चैंपियन रमजान के खिलाफ जीत दर्ज की।

भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने स्पेन में जीते 21 पदक

कार्टाजेना। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने स्पेनिश पैरा इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में 21 पदकों (6 स्वर्ण, 7 रजत और 8 कांस्य) के साथ अभियान समाप्त किया। विश्व नंबर एक एवं मौजूदा विश्व पैरा चैंपियन मानसी जोशी ने रूथिक रघुपति के साथ मिलकर महिला एकल में स्वर्ण और मिश्रित युगल में रजत पदक जीता। वहीं प्रमोद भगत ने दो रजत और एक कांस्य सहित तीन पदक जीते। मानसी के अलावा नित्या सेरे, राजा और कृष्णा नागर, राज कुमार और पारुल, चिराग बरेथ और राज कुमार और नितेश कुमार और तरुण ढिल्लों ने स्वर्ण पदक जीता। मंदीप कौर, तरुण ढिल्लों, कृष्णा नगर, हार्दिक मक्कड़ और रूथिक तथा प्रमोद और मनोज सरकार ने पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 में रजत पदक जीता। मनोज ने पुरुष एकल एसएल3 श्रेणी में कांस्य पदक भी अपने नाम किया।

झारखंड ने ठोके रिकॉर्ड 880 रन

रणजी ट्रॉफी: नगालैंड ने जवाब में चार विकेट गंवाकर 130 रन बनाए

कोलकाता। दो दिन तक दमदार बल्लेबाजी के बाद, झारखंड ने नगालैंड के एक असहाय गेंदबाजी आक्रमण पर पर दुखों का ढेर लगाना जारी रखा और अंत में कोलकाता के ईडन गार्डन में रणजी ट्रॉफी के प्री-क्वॉर्टर फाइनल मैच के तीसरे दिन सोमवार को 880 रनों का विशाल स्कोर बनाया।

शाहबाज नदीम, जो दूसरे दिन के खेल का अंत होने तक 123 रन पर थे, तीसरे दिन 177 रन बनाकर आउट हुए, जबकि 11वें नंबर के राहुल शुक्ला 85 रन बनाकर नाबाद रहे, दोनों ने आखिरी विकेट के लिए 191 रन जोड़े। झारखंड ने दूसरे दिन 769 रनों के साथ खेल समाप्त किया, लेकिन तीसरे दिन भी उनको बल्लेबाजी करते देखना आश्चर्यजनक था। जवाब में नगालैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट गंवाकर 130 रन बना लिए थे। पांच दिन के मुकाबले में दो दिन का खेल बचा है और झारखंड इस तरह जून में होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वॉर्टरफाइनल में पहुंचने के करीब है। स्टंप तक अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट 46 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं जो 204 ओवर तक विकेट के पीछे खड़े रहे थे। दूसरे छोर पर अबू नेचिम 13 रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले बायें हाथ के स्पिनर नदीम ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 177 रन की पारी के दौरान 22 चौके और दो छक्के जमाये। शुक्ला ने 149 गेंद में नाबाद 85 रन की पारी के दौरान छह छक्के और सात चौके जड़े। झारखंड से पहले हैदराबाद (छह विकेट पर 944 रन, 1993-94), होल्कर (आठ विकेट पर 912 रन, 1945-46) और तमिलनाडु (छह विकेट पर 912 रन, 1988-89) रणजी ट्रॉफी में सबसे बड़े स्कोर बना चुके हैं।

एशियाई खेलों की मुक्केबाजी टीम में लवलीना और निखत जरीन

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और 2019 एशियाई चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता निखत जरीन ने इस साल चीन के हांगझाऊ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम में अपना स्थान पक्का कर लिया है। लवलीना और जरीन दोनों ने सोमवार को यहां एशियाई खेलों के चयन ट्रायल के फाइनल में रेलवे की पूजा और 2019 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मंजू रानी पर समान रूप से 7-0 से जीत दर्ज की। जहां, लवलीना ने 69 किग्रा वर्ग के लिए क्वालीफाई किया है, तो वहीं जरीन ने 51 किग्रा वर्ग में जगह बनाई है। लवलीना खेल के दौरान बहुत कैलकूलेटिव थी और पूजा की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए सामरिक कौशल का इस्तेमाल कर रही थीं। वह असमिया मुक्केबाज पूजा के जवाबी हमलों से बचती रहीं और लगातार अंक हासिल किए वहीं, मंजू रानी के खिलाफ अपने अंतिम मुकाबले में अनुभवी जरीन ने तकनीकी रूप से ज्यादा बहतर प्रदर्शन किया और तीनों राउंड में हावी रहीं। इससे पहले दोनों मुक्केबाजों ने पिछले हफ्ते विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया था। जरीन ने 52 किग्रा वर्ग में और लवलीना ने 70 किग्रा वर्ग में अपना स्थान पक्का किया था।

आईपीएल 2022 की प्लेइंग कंडीशन्स में बड़े बदलाव

टीमों को मिलेंगे दो डीआरएस

नई दिल्ली। आईपीएल 2022 में प्लेइंग कंडीशन्स में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे, जिनमें दो प्रमुख बदलाव कोरोना संक्रमण के कारण टीम द्वारा प्लेइंग इलेवन (एकादश) और डीआरएस (डिसीजन रिव्यू सिस्टम) को लेकर हैं। बीसीसीआई ने इस बारे में कहा कि अगर कोरोना संक्रमण के कारण किसी भी टीम के पास उसकी प्लेइंग इलेवन नहीं होती है तो बीसीसीआई उस मैच को दोबारा आयोजित करेगा। अगर कोरोना संक्रमण के कारण मैच का पुनर्निर्धारण संभव नहीं होता तो मामले को तकनीकी समिति के पास भेजा जाएगा। बीसीसीआई ने कहा, बोर्ड अपने विवेक पर बाद में मैच को पुनर्निर्धारित करने का प्रयास करेगा। आईपीएल तकनीकी समिति का निर्णय अंतिम, जिसे सभी को मानना होगा। यह पिछले नियम की तरह ही है, इसमें सिर्फ एक बदलाव किया गया है। पिछले नियम में कहा गया था कि बोर्ड बाद में मैच को पुनर्निर्धारित करने का प्रयास करेगा। प्लेइंग कंडीशन्स में दूसरा सबसे महत्वपूर्ण बदलाव डीआरएस की संख्या में वृद्धि है। बीसीसीआई के मुताबिक प्रत्येक पारी में डीआरएस की संख्या एक से बढ़ाकर दो कर दी गई है। बीसीसीआई ने एमसीसी के सुझाव के समर्थन में यह निर्णय लिया है, जिसमें कहा गया था कि नए बल्लेबाज को स्ट्राइक पर आना होगा, भले ही बल्लेबाज कैच के दौरान क्रीज के बीच में क्यों न हो। बीसीसीआई ने टीमों को दी जानकारी कि बल्लेबाजों ने क्रीज पार की हो या नहीं, कैच आउट होने पर नए बल्लेबाज को स्ट्राइक पर आना होगा।

आईपीएल से पहले फिटनेस परीक्षण के लिए एनसीए पहुंचे हार्दिक पंड्या

नई दिल्ली। हार्दिक पंड्या बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में पहुंचे हैं जहां वह अगले दो दिन में फिटनेस परीक्षण से गुजरेंगे ताकि आईपीएल में गुजरात टाइटन्स की अगुआई के लिए हरी झंडी मिल जाए।

परीक्षण के दौरान सबसे दिलचस्प पहलू होगा कि इस 28 वर्षीय खिलाड़ी को लुभावनी लीग में अपनी टीम के लिये पूरी तरह से कोहनी मोड़कर गेंदबाजी करने की मंजूरी मिलती है या नहीं।

गुजरात टाइटन्स की टीम 28 मार्च को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, हार्दिक अगले दो दिन तक एनसीए में होंगे और विभिन्न फिटनेस परीक्षण से गुजरेंगे। वह केंद्रीय अनुबंधित क्रिकेटर हैं और उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में टी20 विश्व कप के बाद से कोई क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने कहा, उन्हें फिटनेस परीक्षण पास करना जरूरी होगा क्योंकि अब यह पिछले कुछ समय से अनिवार्य हो गया है। पिछले साल श्रेयस अय्यर भी कंधे की चोट के बाद आईपीएल में खेलने से पहले फिटनेस परीक्षण के लिये उपस्थित हुए थे। राष्ट्रीय टीम और एनसीए चिकित्सा स्टाफ हमेशा अपने केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों पर नजर रखता है और पता चला है कि टाइटन्स के बड़ौदा में पांच दिवसीय ट्रेनिंग शिविर के दौरान हार्दिक ने दो तीन सत्र के दौरान गेंदबाजी की थी।

हार्दिक पंड्या आईपीएल से पहले फिटनेस परीक्षण के लिये एनसीए पहुंचे

नयी दिल्ली। हार्दिक पंड्या बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में पहुंचे हैं जहां वह अगले दो दिन में फिटनेस परीक्षण से गुजरेंगे ताकि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटन्स की अगुआई के लिये हरी झंडी मिल जाये। परीक्षण के दौरान सबसे दिलचस्प पहलू होगा कि इस 28 वर्षीय खिलाड़ी को लुभावनी लीग में अपनी टीम के लिये पूरी तरह से कोहनी मोड़कर गेंदबाजी करने की मंजूरी मिलती है या नहीं। गुजरात टाइटन्स की टीम 28 मार्च को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, हार्दिक अगले दो दिन तक एनसीए में होंगे और विभिन्न फिटनेस परीक्षण से गुजरेंगे। वह केंद्रीय अनुबंधित क्रिकेटर हैं और उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में टी20 विश्व कप के बाद से कोई क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने कहा, उन्हें फिटनेस परीक्षण पास करना जरूरी होगा क्योंकि अब यह पिछले कुछ समय से अनिवार्य हो गया है। पिछले साल श्रेयस अय्यर भी कंधे की चोट के बाद आईपीएल में खेलने से पहले फिटनेस परीक्षण के लिये उपस्थित हुए थे। राष्ट्रीय टीम और एनसीए चिकित्सा स्टाफ हमेशा अपने केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों पर नजर रखता है और पता चला है कि टाइटन्स के बड़ौदा में पांच दिवसीय ट्रेनिंग शिविर के दौरान हार्दिक ने दो तीन सत्र के दौरान गेंदबाजी की थी।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने श्रेयस अय्यर

महिला वर्ग में न्यूजीलैंड की अमेलिया केर ने जीता पुरस्कार

दुबई (एजेंसी)। भारत के ऑल-फॉर्मेट बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को फरवरी महीने के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। महिला वर्ग में न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की। श्रेयस पुरुष श्रेणी में अन्य नामित खिलाड़ियों संयुक्त अरब अमीरात के वृत्य अरविंद और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पछाड़ कर पुरस्कार जीता। अय्यर को पिछले महीने क्रमशः वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के दम पर प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। उल्लेखनीय है कि श्रेयस ने अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में 80 रन की मैच विजयी पारी खेली थी और इसके बाद तीन मैचों की टी-20 सीरीज के आखिरी मैच में 16 गेंदों पर 25 रन की विस्फोटक पारी खेली थी।

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे श्रेयस

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज में अय्यर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे। तीन मैचों की सीरीज के सभी मैच में उन्होंने नाबाद अर्धशतक लगाए। पूरी सीरीज में उन्होंने कुल 204 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 174 का था। वह सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। आईसीसी रैंकिंग में भी उन्हें इसका फायदा मिला और टी-20 में बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह 27वें पायदान से 18वें स्थान पर आ गए।

अमेलिया ने मिताली राज व दीप्ती को पीछे छोड़कर जीता खिताब

कीवी ऑलराउंडर अमेलिया केर ने भारत की मिताली राज और दीप्ती शर्मा को पीछे छोड़कर यह खिताब अपने नाम किया है। भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में कीवी ऑलराउंडर ने गेंद और बल्ले के साथ कमाल का प्रदर्शन किया। 21 साल की अमेलिया ने सीरीज में एक शतक और एक अर्धशतक की मदद से सीरीज में 353 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 117 का था। उन्होंने अपना लेग स्पिन गेंदबाजी से भी प्रभावित किया और सीरीज में सात विकेट अपने नाम किए।

16 मार्च से 12 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए भी टीकाकरण अभियान शुरू

जिला अस्पताल गोरा बाजार एवं ट्रामा सेंटर मोहम्मबाद पर चलेगा टीकाकरण अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कोविड-19 जो महामारी के रूप में पूरे विश्व के सामने आया। उसका सामना भारत सहित पूरे विश्व में प्रत्येक नागरिकों ने किया। इस महामारी से बचाव के लिए सरकार ने कोविड-19 टीकाकरण अभियान चलाया, जिसमें सबसे पहले फ्रंटलाइन वर्कर, उसके पश्चात 45 प्लस के नागरिक और अंत में 18 प्लस के युवाओ का टीकाकरण कराया गया। जिसका असर देखने को मिला कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कोविड-19 से लोग प्रभावित नहीं हुए। वही अब सरकार ने 16 मार्च से 12 से 14 वर्ष के लोगों के लिए भी टीकाकरण अभियान शुरू करने जा रही है। जिसको लेकर जनपद में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से पूरी व्यवस्थाएं मुकम्मल कर ली गई हैं। जिसको लेकर 16 मार्च बुधवार को जनपद के जिला पुरुष अस्पताल एवं ट्रामा सेंटर मोहमदाबाद पर 12 से 14 आयु वर्ग के लोगों का टीकाकरण शुरू किया जाएगा। इस अभियान के लिए शासन ने 153354 लोगों का लक्ष्य निर्धारित किया है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि शासन ने निर्णय लिया है कि 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों का टीकाकरण (कार्वी वैक्स) कराया जाए। साथ ही साथ प्रदेश के सीनियर सिटीजन यानी 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को बूस्टर डोज भी दिया जाए जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हो। उन्होंने बताया कि जनपद में 16 मार्च बुधवार को मुख्य रूप से दो जगहों पर 12 से 14 आयु वर्ग के लोगों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। जिसमें जिला पुरुष अस्पताल गोरा बाजार एवं ट्रामा सेंटर मोहमदाबाद शामिल है। उन्होंने बताया कि आगामी छुट्टियों को देखते हुए इस तरह का निर्णय लिया गया है। छुट्टियों के बाद टीकाकरण के लिए माइक्रो प्लान बनाकर ग्रामीण स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों पर भी यह अभियान शुरू किया जाएगा। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक मोहमदाबाद डॉ. आशीष राय ने बताया कि उनके ब्लॉक में ट्रामा सेंटर पर 12 से 14 आयु वर्ग के लोगों का कोविड-19 टीकाकरण शुरू किया जाएगा। जिसके लिए मुकम्मल व्यवस्था कर ली गई हैं। साथ ही इस कार्यक्रम का शुभारंभ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात महिला स्वास्थ्य कर्मी के द्वारा किया जाएगा। जो नारी सशक्तिकरण को समर्पित होगा। वंही आंकड़ों की अगर हम बात करें तो जनपद में प्रथम डोज से 2840697 लोग और दूसरे डोज से 2085628 लोग टीकाकरण से आच्छादित किए जा चुके हैं। साथ ही 30991 लोगों ने बूस्टर डोज भी लगवाया है। शुरू होने वाले इस अभियान के लिए बाराचवर 8640, भदौरा 10079, बिरनो 7022, देवकली 9573, गोड़उर 8086, जखनिया 9385, करंडा 6098, कासिमाबाद 10993, मनिहारी 9195, मरदह 7890, मिजार्पुर 9569, मोहम्मदाबाद 10994, रेवतीपुर 7633, सैदपुर 10998, सुभाकरपूर 8894, जमानिया 12516 लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य शासन के द्वारा निर्धारित किया गया है।

खाद्य विभाग की टीम द्वारा छापेमारी कर चार दुकानों से लिये नमूना भेजा प्रयोगशाला

घोसी, मऊ। सोमवार की दोपहर तीन बजे होली त्यौहार के मद्देनजर जिलाधिकारी के आदेश पर खाद्य विभाग की टीम द्वारा घोसी नगर के कई मिठाई की दुकानों पर छापेमारी कर मिठाईयो का नमूना लिया। बता दे की होली त्यौहार के मद्देनजर के नायब तहसीलदार राघवेश मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य विभाग के अधिकारियों ने कई दुकानों का औचक निरीक्षण किया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरके दीक्षित के नेतृत्व में गठित खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने सोमवार को नगर में पहुँचकर रंगवर्षा स्वीट से बर्फी, गणेश स्वीट से मेवा का लड्डू व बर्फी, मधुराज स्वीट से मलाई, सोयाबीन ऑयल व मैदा एवं मधुरगंगा स्वीट से छेना और गोझिया का नमूना लिया। टीम ने इन नमूनों को जांच के लिए लखनऊ स्थित प्रयोगशाला भेज दिया। नायब तहसीलदार राघवेश मणि त्रिपाठी ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात मिलावट पाए जाने पर सम्बन्धित खाद्य कारोबारियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी। जांच टीम में उपरोक्त अधिकारियों के अतिरिक्त पंकज यादव, दिनेश राय, रामानन्द व बिंदु पांडेय आदि खाद्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पुरातन छात्र ने बच्चों को उपलब्ध कराई टीएलएम सामग्री

प्रखर पिंडरा वाराणसी। क्षेत्र के थाना गांव निवासी व प्राथमिक विद्यालय थानारामपुर के पुरातन छात्र व पिथौरागढ़ उत्तराखंड में अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ आशीष गुप्ता ने बच्चों को सीखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को विद्यालय के प्रधानाध्यापक रविशंकर मौर्य को टीएलएम सामग्री दी। विदित हो कि पुरातन छात्र आशीष इसके पूर्व भी गांव के प्राथमिक विद्यालय के कायाकल्प करने में महती भूमिका निभा चुके हैं। इसी का परिणाम है कि पुरातन छात्रों के सहयोग से विद्यालय के सभी कक्ष सीसीटीवी कैमरों से लैस हो गए हैं तथा स्मार्ट क्लास की भी स्थापना हो चुकी है। मंगलवार को फिर उन्होंने शैक्षिणक गुणवत्ता के बाबत छात्रों से जानकारी लेने के बाद बच्चो को टीएलएम किट दिया। जिससे बच्चे में लर्निंग क्षमता का विकास हो सके। इस बाबत पुरातन छात्र ने बताया कि बच्चों के अंदर सीखने की क्षमता विकसित करने का सबसे सशक्त माध्यम शिक्षण सहायक सामग्री है। इसके बेहतर प्रयोग से शिक्षण कार्य को सरल भी बनाया जा सकता है। इस दौरान शिक्षक संकुल पप्पू गिरी, सर्वेश सिंह, मनबोध सिंह, रीता भारती के अलावा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क पर बहता है घरों का गंदा पानी, संक्रामक रोग फैलने की आशंका

प्रखर जौनपुर। नगर पालिका परिषद जौनपुर के ईसापुर वार्ड के अंतर्गत मोहल्ला बोदकरपुर में नाली की साफ-सफाई नहीं होने से घरों का गंदा पानी सड़क पर बहता है। इससे संक्रामक रोग फैलने की आशंका बढ़ गई है। नगर पालिका प्रशासन की इस लापरवाही से नागरिकों में आक्रोश बढ़ रहा है। जानकारी के अनुसार निष्प्रयोज्य हो चुके नगर पालिका ट्यूबवेल स्थित एवं इंटेलेक्चुअल पब्लिक स्कूल के सामने बनी नगर पालिका की नाली को सफाई कर्मियों द्वारा समय समय पर साफ-सफाई न किये जाने के कारण नाली के जाम होने के कारण कई दिन से घरों का गन्दा पानी सड़को पर आ रहा है। जिसके चलते इंटेलेक्चुअल पब्लिक स्कूल एव आर0एन0 टैगोर में पढ़ने वाले बच्चों के साथ ही मोहल्ले के लोगो एवँ उधर से गुजरने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताते चले विगत वर्ष सफाई अभियान में निवर्तमान नगर विधायक व राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने स्वयं इस मोहल्ले में सफाई अभियान में साफ सफाई के दौरान सम्बंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सफाई हेतु निर्देश भी दिया था। परन्तु इस समय उनकी बातों को भी विभागीय अधिकारियों द्वारा अनदेखी किया जा रहा है जिसके चलते मोहल्ले में जल जमाव होने से विभिन्न बीमारी एवं कोरोना जैसी महामारी फैलने की आशंका से यहां के लोग भयभीत है।

बेटियों की शिक्षा आज की सबसे बड़ी जरूरत : ओम प्रकाश

प्रखर जौनपुर। राज गौरव पीजी कॉलेज खुटहन में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के समापन दिवस पर शिविर आरती ने शिखर का स्तर के प्रांगण में साफ-सफाई तथा भूमि को समतल कर खेलकूद का मैदान बनाया । कार्यक्रम अधिकारी राम प्रसाद शर्मा व सुभाष चंद्र पाल के निर्देश पर खो-खो प्रतियोगिता कबड्डी जैसे खेल कूद का आयोजन हुआ। समापन अवसर पर स्वयंसेवक एवं शिवम सेविकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया। वक्ताओं ने बताया कि बेटियों को उच्च शिक्षित बनाने के साथ ही हर गांव में स्वच्छता अभियान चलाया जाए। स्कूल न जाने वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जाए। जिससे हर गांव में शिक्षा की रोशनी फैल सके। यह भी बताया कि कोरोना वायरस भले ही कम हो गया है लेकिन इससे सावधानियां रखने की हमें सख्त जरूरत है । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ ओपी यादव ने भारत के वर्तमान प्रवेश पर चर्चा की। इस अवसर पर डॉ चंद्र पाठक, मनोज कुमार गुप्ता, डॉ राकेश यादव, शशिकांत यादव , समर बहादुर यादव व योगेंद्र प्रसाद यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के संरक्षक शरद यादव एडवोकेट ने करते हुये यहाँ आए हुए सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किए।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के मार्गदर्शन में सफल अनावरण करते हुये थानाध्यक्ष विष्णु प्रताप गौतम मय हमराह मय फोर्स के आज 15 मार्च 2022 को समय 2.15 बजे वाहन चेकिंग के दौरान एक बिना नम्बर प्लेट की चोरी की मोटरसाइकिल अपाचे फ्छफ को अभियुक्त अनुराग यादव पुत्र राम कुवर यादव निवासी ग्राम कछुवारा थाना मरदह के पास से बरामद किया गया है। अभियुक्त अनुराग के विरूद्ध थाना नोनहरा पर मु0अ0सं0 55/22 धारा 411/414 भा0द0वि0 का अभियोग पंजीकृत करते हुए विधिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष विष्णु प्रताप गौतम, उ0नि0 प्रदीप कुमार सिंह, का0 प्रशान्त कनौजिया, का0 सोनू गौंड़, का0 धीरज सिंह, का0 अक्षय कुमार शामिल रहे।

वेतन के लिए नपा कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

आजमगढ़। वेतन और पेंशन के बकाए को लेकर आंदोलित स्थानीय निकाय कर्मचारी संघ ने सोमवार को नगर पालिका परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। होली से पहले वेतन भुगतान की मांग की। बताया कि शासन ने 27 फरवरी को ही वेतन मद में धनराशि जारी कर दी है, लेकिन उसका भुगतान नहीं किया जा रहा है। होली से पहले भुगतान न होने पर कर्मचारियों ने आगे भी आंदोलन की चेतावनी दी। स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के मंडल अध्यक्ष असलम खान ने बताया कि शासन ने कर्मचारियों के वेतन और पेंशन मद में 1.23 करोड़ रुपये 27 फरवरी को ही जारी कर दिया, लेकिन अभी तक भुगतान नहीं किया गया। अब तक हम लोग यह

सोचकर संतोष कर रहे थे कि अधिकारी चुनाव में व्यस्त हैं, लेकिन परिणाम की घोषणा के बाद भी भुगतान अधर में है, जबकि होली जैसा खचीर्ला त्योहार सिर पर है। इसके अलावा कर्मचारियों ने कहा कि निर्धारित समय तक काम करने के बाद किसी वक्त कर्मचारियों को सफाई के लिए बुला लिया जाता है। पुराने मानक के अनुसार 10 हजार की आबादी पर 28 सफाई कर्मचारियों की जरूरत है, लेकिन नायकों को सफाई कर्मचारी आज तक उपलब्ध नहीं कराया गया। चार वर्ष से जाड़े और गर्मी की वर्दी उपलब्ध नहीं कराई गई। धरना-प्रदर्शन में काशी वाल्मीकि, संजय, सगीर, भकालू, रन्नो, चंदा आदि शामिल थीं।

अधूरे योजनाओं व विकास कार्य पूर्ण करना प्राथमिकता : डॉ. अवधेश सिंह

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विस-क्षेत्र से दूसरी बार निर्वाचित हुए भाजपा विधायक डॉ अवधेश सिंह ने कहाकि जनता ने जो जिम्मेदारी दोबारा सौपी है उसके कारण अब मेरी जिम्मेदारी और दायित्व और बढ़ जाता है। उक्त बातें मंगलवार को पिंडरा स्थित नेशनल इंटर कालेज के परिसर में ग्रामीणों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह के दौरान कही। उन्होंने कहाकि जनता के बीच के जो भी विकास कार्य अधूरे है उन्हें पूरा करना मेरी प्राथमिकता होगी। विधायक ने कहाकि अपने दूसरे कार्यकाल को एक आदर्श कार्यकाल बनाने को तत्पर रहूंगा। उन्होंने कहाकि बाबतपुर में 43 करोड़ की लागत से आरओबी को समय सीमा में पूर्ण कराना, अमूल

प्लांट के चालू होने पर रोजगार सृजन करने के साथ गांव के पशु पालकों को समृद्धि करना मेरी प्राथमिकता होगी। स्वागत के दौरान उन्होंने गत वर्ष अधूरे रह गए कार्य को पूर्ण कराने पर जोर दिया। अध्यक्षता कालेज के प्रबंधक रजनीकांत सिंह संचालन प्रधानाचार्य रामाश्रय सिंह व धन्यवाद जिला पंचायत सदस्य अरुण सिंह बिन्नी ने किया। इस दौरान पिंडरा व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रकाशचन्द, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह, रामाश्रय सिंह, अभिषेक राजपूत, सुरेन्द्र मिश्रा, रमाकांत सिंह, विनोद सिंह, संदीप राय, विपिन सिंह,देवभूषन कन्नौजिया, राजनाथ पटेल, डब्बू गुप्ता, अतुल रावत समेत अनेक लोगों ने स्वागत किया।

भाजपा सरकार में भी माफियाओं व दबंग लोगों पर जनपद पुलिस न जाने क्यों कार्यवाही करने से कर रही हिलाहवाली

प्रखर जौनपुर। उत्तर प्रदेश में एक तरफ जहां योगी सरकार द्वारा माफियाओं पर बुलडोजर चलाने की बात कही जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ जनपद के महाराजगंज थाना क्षेत्र के सवन्सा ग्राम निवासी सजनलाल पुत्र स्वर्गीय शिव आधार की जमीन पर गांव के ही दबंग किस्म के जयमूरत जायसवाल ने फर्जी ढंग से पीड़ित के भतीजे उमाशंकर पुत्र स्वर्गीय बसंतलाल जो मानसिक रूप से विक्षिप्त हैं उनसे बहला फुसलाकर जमीन अपने नाम रजिस्ट्री करा लिया, जिसके संबंध में बदलापुर और जनपद दीवानी न्यायालय में मामला विचाराधीन है इसी दौरान जमीन पर कब्जा करने के उद्देश्य से जयमूरत जायसवाल द्वारा ईट पत्थर इकट्ठा किया जा रहा है जब मामले की शिकायत पीड़ित सजनलाल द्वारा स्थानीय थाने पर किया गया तो वहां उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है बल्कि उल्टे पीड़ित को ही परेशान किया जा रहा है, पीड़ित द्वारा जनपद न्यायालय से मामले में निस्तारण न होने की दशा में हाईकोर्ट में वाद दायर किया है।

इस सम्बन्ध में यह तथ्य उल्लेखनीय हैं कि उक्त सम्पूर्ण भूमि का मामला माननीय हाईकोर्ट में विचाराधीन है बावजूद इसके विपक्षी द्वारा जबरदस्ती जमीन पर कब्जा किया जा रहा है और इलाकाई पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है, यहां तक की पीड़ित पक्ष का एफआईआर भी दर्ज नहीं किया जा रहा है ऐसे में योगी सरकार का बुलडोजर कहां है जो इन माफियाओं के खिलाफ पुलिस कुछ भी करने से आखिर क्यों कतरा रही है यह समझ के परे हैं आखिर इसके पीछे किसका हाथ है। मालूम हो कि उक्त जमीन जिसको सजनलाल ने सन 1981 में धर्मराज ओंकारनाथ और त्रिलोकीनाथ के पिता से रजिस्ट्री कर खरीदी थी आज इन्हीं के शह पर जयमूरत नामक व्यक्ति जमीन पर कब्जा कर रहा है, पीड़ित द्वारा बार-बार प्रार्थना पत्र दिए जाने के बाद भी पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही है, विदित हो कि पीड़ित के दो बेटे जो सरकारी सेवा में बाहर रहते हैं ऐसे में बुजुर्ग माता-पिता को देखने वाला भी कोई नहीं है अब सवाल यह उठता है की बेटे अपना परिवार देखें मां बाप को देखें या जमीन का झगड़ा देखें जिस काम के लिए न्यायालय और पुलिस बनी हुई है वहां से उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है थक हार कर पीड़ित के बेटे ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत भेजी है लेकिन आज तक उस पर कोई कार्यवाही होती नहीं नजर आ रही है, आखिर उक्त दबंग कितने प्रभावशाली हैं की जनपद पुलिस उनके आगे नतमस्तक होती दिखाई दे रही हैं।

इनरवील क्लब द्वारा अनाथाश्रम में स्वास्थ परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

मऊ। इनरवील क्लब मऊ द्वारा किए जा रहे सामाजिक सरोकार के कार्यों में एक कड़ी और जुड़ गई। मोहम्मदाबाद स्थित अनाथाश्रम में क्लब की तरफ से बच्चों का स्वास्थ परीक्षण करवाया गया। क्लब की सदस्याओं डॉक्टर रुचि अग्रवाल, डॉक्टर कंचन लता, डॉक्टर प्रियंका तथा डॉक्टर गुंजन ने मिलकर बच्चों के स्वास्थ का परीक्षण किया तथा उनका उपचार भी दिया। बच्चों में सामान्य बीमारियों के लिए दवाइयां तथा शारीरिक विकास के लिए विटामिन इत्यादि वितरित किए गए। बच्चों को शारीरिक स्वच्छता का महत्व समझाया गया। नवजात शिशुओं के लिए दूध की व्यवस्था भी की गई।

बड़े बच्चों को वस्त्र उपहार में दिए गए। बच्चों के लिए उत्तम भोजन की व्यवस्था की गई ।फल, गुजिया, बिस्किट्स, चॉकलेट्स कापी पेंसिल पा कर बच्चे अत्यंत प्रसन्न दिखे। गुलाल का टीका लगा कर बच्चों के साथ होली मनाई गई। क्लब की अध्यक्ष डॉक्टर रुचिका मिश्रा ने बताया कि परिवार विहीन बच्चे समाज की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होते हैं। हम सब का ये कर्तव्य बनता है की इन बच्चों को खास महसूस करवाने का प्रयास करें। हमारी सदस्याएं समय समय पर अनाथाश्रम में बच्चों के साथ समय बिता कर उन्हे प्रसन्न करने का प्रयत्न करती रहती हैं। कार्यक्रम में आशा खत्री, डॉक्टर कुसुम वर्मा, सुनीता खंडेलवाल तथा विद्या चैहान की सहभागिता रही।

विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त करते हैं संत

चक्रपानपुर (आजमगढ़)। हथियाराम मठ के पीठाधीश्वर भवानी नंदन यती ने कहा कि संत-महात्मा राष्ट्र का ही नहीं, अपितु विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। वह सोमवार को अपराह्न श्रीराम-जानकी मंदिर परिसर में नवनिर्मित संत आश्रय स्थल तथा आध्यात्मिक पुस्तकालय के लोकार्पण के पश्चात उपस्थित जनमानस को संबोधित कर रहे थे। कहा कि दुनिया साधु-संतों को प्रणाम करती है और मैं राहुल जी को प्रणाम करता हूं। राष्ट्रभाषा के गौरव महापंडित राहुल सांकृत्यायन की पुण्यभूमि पर मैं अपने आपको धन्य महसूस कर रहा हूं। उन्होंने आध्यात्मिक मार्गदर्शन के सवाल पर कहा कि जब मार्ग का पता ही नहीं, तो दर्शन कहां हो सकता है। उन्होंने कहा कि सच्चिदानंद सन्मय, चिन्मय और आनंदमय हैं। चेहरा और दर्पण का उदाहरण देते हुए कहा कि चेहरे के दाग को दर्पण साफ नहीं कर सकता, लेकिन चेहरा देखने के लिए दर्पण जरूरी है। उसी प्रकार मंदिर जाना भी जरूरी है, लेकिन मंदिर जाने मात्र से ही भगवान के दर्शन नहीं होते। इसके लिए ईश्वर को अंतरमन से तलाशना होता है। आयोजक आचार्य सहदेव पांडेय सांकृत्यायन की प्रशंसा करते हुए कहा कि महापंडित राहुल सांकृत्यायन आज भले ही नहीं हैं, परंतु उनकी विरासत जिदा है।

होली स्पेशल बसों के संचालन से अब यात्रा होगी सुगम

आजमगढ़। विधानसभा चुनाव खत्म होती ही रोडवेज बसों का संचालन भी पटरी पर आ गया है। चुनाव के दौरान यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था। होली को देखते हुए परिवहन विभाग ने अपनी सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए परिक्षेत्र में सभी बसों को संचालन शुरू कर दिया है। 13 से 22 मार्च तक होली स्पेशल बस सेवा शुरू की गई है। इससे यात्रियों को काफी सुविधा होगी। आजमगढ़ परिक्षेत्र के अंतर्गत करीब 406 बसें संचालित होती हैं। इसमें मऊ 20, बलिया 32, डा. आंबेडकर नगर 32, शाहगंज 17, बिल्थरारोड 23, आजमगढ़ 41, दोहरीघाट डिपो की 26 बसें हैं। इसके अलावा वाराणसी, सुल्तानपुर, लखनऊ, जौनपुर, गोरखपुर के लिए भी बसें चलती है। होली के समय इन रूटों पर यात्रियों को बसों के लिए ज्यादा समय इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

आपसी भाईचारा व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं त्योहार

आजमगढ़। होली का त्योहार आपसी भाईचारा व सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर सोमवार को थानों पर शांति समिति की बैठक हुई। अधिकारियों ने त्योहार के दिन हुड़दंग नहीं करने की अपील की। मुहम्मदपुरः गंभीरपुर थाना परिसर में होली व शब-ए-बरात को लेकर हुई बैठक में एसडीएम राजीव रतन सिंह व थाना प्रभारी निरीक्षक राम प्रसाद बिद ने कहा कि अराजक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। अधिकारियों ने शब-ए-बरात और होली अमन के साथ मनाने की अपील की। मेंहनगरः थाना परिसर में क्षेत्राधिकारी लालगंज मनोज रघुवंशी और उपजिलाधिकारी प्रेमचंद मौर्या की मौजूदगी में बैठक हुई। एसडीएम ने कहा कि कहा कि होली और जुमे की नमाज को देखते हुए डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। दोपहर 12 बजे तक ही होली खेलने की अनुमति रहेगी। इस मौके पर चेयरमैन अशोक चौहान, रामबदन कन्नौजिया, विरेन्द्र आर्य, कमलेश मधुकर, मुकुटधारी यादव, मुन्ना खां, आशिफ, शहीद, शमशुल होदा, सुभाष जायसवाल, प्रधान जितेंद्र यादव, जयराम यादव आदि मौजूद थे।

फूलपुरः थाना परिसर में थानाध्यक्ष विवेक पांडेय के नेतृत्व में शांति समिति की बैठक हुई। पिछले दिनों माहुल नगर पंचायत में जहरीली शराब कांड को देखते हुए मदिरा पान की जगहों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया। चंदन गुप्ता, परमहंस उर्फ बाबा, श्रवण जायसवाल, गोवर्धन जायसवाल ने रेलवे लाइन किनारे की देसी शराब की दुकान को हटवाने की मांग की।

अहरौलाः अहरौला थाना परिसर में बूढ़नपुर के नायब तहसीलदार धर्मेंद्र कुमार सिंह व थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में होली को बैठक हुई। एसओ ने कहा कि कहा कि होली आपसी भाईचारे का संदेश देता है। सारे गिले शिकवे भूलकर होली मनाएं। एसआइ रामकृपाल सोनकर, गजाधर मद्धेशिया, रमेश यादव, फूलचंद, महेंद्र यादव आदि थे।

मुफ्त चिकित्सा शिविर में 360 लोग लाभान्वित

संजरपुर (आजमगढ़)। क्षेत्र के श्री अर्जुन सिंह स्मारक इंटरमीडिएट कालेज में सोमवार को मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 360 लोग लाभान्वित हुए। डाक्टर रजत कुमार के नेतृत्व में तीन डाक्टरों की टीम ने फ्री चेकअप के साथ दवा का वितरण किया। दो सौ छात्रों को चेचक से बचाव के लिए दवा दी गई। परिवार व आसपास के लोगों को भी दवा देने की सलाह दी गई। डा. रजत कुमार ने बताया कि इस तरह का कार्य करने में बड़ा सुकून महसूस होता है। इस अवसर पर अन्नू सिंह, अभिमन्यु सिंह, रमेश जायसवाल, पंकज सिंह, राजाराम यादव, अखिलेश जायसवाल, गुड्डू पाठक, अनुपम पांडेय, संदीप अस्थाना आदि मौजूद थे।

जिलाध्यक्ष विजय बहादुर सिंह के नेतृत्व में क्षेत्रीय अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

मोदी-योगी के प्रति जनता के विश्वास की जीतः धर्मेंद्र सिंह, लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है- गोपेश्वर त्रिपाठी

प्रखर सन्तकबीरनगर। भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता व किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजय बहादुर सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को क्षेत्रीय अध्यक्ष डा धर्मेंद्र सिंह, किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष गोपेश्वर त्रिपाठी, सहजनवा विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक प्रदीप शुक्ला का भाजपा के इतिहासिक जीत पर सभी नेताओं का भव्य स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत क्षेत्रीय अध्यक्ष डा धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की प्रचंड जीत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति जनता के विश्वास की जीत है। यह भाजपा कार्यकताओं की मेहनत की जीत है। जनता ने भाजपा को दगा देने वाले दागियों को भी सबक सिखाते हुए भाजपा का परचम लहराया है। किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष गोपेश्वर त्रिपाठी ने कहा कि वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद भाजपा सरकार ने जनता से किए सभी वादे पूरे किए हैं। भाजपा की पांच साल की सरकार में प्रदेश का देश और दुनिया में मान बढ़ा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की लगातार दूसरी बार सरकार बनने से अब विकास का पहिया तेज गति से चलेगा। लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है। जनता ने भाजपा को अपना आशीर्वाद देकर ऐतिहासिक जीत दिलाई है। उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बूथ से लेकर मंडल, जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय टीम को देते हुए सभी के प्रति आभार भी जताया। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री रामानंद उर्फ नन्हे भैया जिला कोषाध्यक्ष संतोष सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

आशा संगिनीयों के लिए क्षमता वर्धन कार्यशाला का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा बहुत सारी योजनाएं आमजन को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही हैं। यह योजना ग्रामीण इलाकों में आशा कार्यकर्ता के माध्यम से पहुंचाया जाता है। इसी को लेकर सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में आशा संगिनी के क्षमता वर्धन को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें आशा संगिनी को विभाग के द्वारा चल रही योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का का शुभारंभ प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. वर्मा ने किया वहीं प्रशिक्षण टीएसयु के विनोद और मोहम्दाबाद ट्रामा सेंटर पर आयोजित कार्यशाला को बुद्धदेव कुमार के द्वारा प्रशिक्षित किया गया। जनपद में कार्यरत सभी आशा संगिनी एवं बीसीपीम को वर्तमान में आयोजित की जा रही क्लस्टर बैठक में आशा संगिनीयों के द्वारा आशाओं को विभिन्न विषयों पर क्षमता वर्धन करने हेतु प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षित आशा संगानी के द्वारा अपने कलस्टर बैठक में आशाओं का क्षमता निर्माण करने पर उन्हें प्रत्येक माह 200 की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्रावधान है। साथ ही क्लस्टर मीटिंग के क्षमता वर्धन में प्रतिभाग करने के लिए 100 की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि आशा को दिया जाएगा। डीसीपीएम अनिल वर्मा ने बताया कि जनपद में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस, गर्भवती महिलाओं की जल्दी पहचान करना ताकि जननी सुरक्षा योजना की सभी लाभ उन्हें दिया जा सके, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की जल्द पहचान करना एवं कमजोर एवं कम वजन के बच्चों की पहचान करना एवं फॉलोअप करना एवं रेफरल सुविधा देना, प्रसव पूर्व जांच का महत्व एवं बढ़ावा देना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, राष्ट्रीय कार्यक्रम, तमाम योजना चलाई जा रही है। जनपद के अंतिम व्यक्ति तक आशा कार्यकर्ता के माध्यम से लाभ पहुंचाया जाता है। इसी को लेकर आशा संगिनीयों का क्षमता वर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें आशा संगिनी प्रशिक्षित होने के बाद अपने-अपने ब्लॉक की आशा कार्यकताओं को प्रशिक्षित करने का कार्य करेंगी। उसके पश्चात आशा के माध्यम से समस्त योजनाओं का लाभ गांव व स्तर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी योजनाएं लम्बे समय से विभाग के द्वारा संचालित किया जा रहा है। लेकिन इन योजनाओं में समय-समय पर बदलाव किए जाते हैं। उन्ही बदलाव को अपडेट करने एवं उनकी क्षमता निर्माण के लिए इस तरह के प्रशिक्षण का आयोजन का आयोजन किया जाता है।

जनपद में धारा 144 लागू

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आगामी हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2022 परिषद उ0प्र0 तथा पूर्वांचल विश्व विद्यालय जौनपुर द्वारा स्नातक/परास्नातक परीक्षाए विभिन्न परीक्षा केन्द्रो पर आयोजित की जायेगी। परीक्षा के दौरान नकल करने के प्रयास को रोकने के लिए हस्तक्षेप करने पर शान्ति व कानून व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस वर्ष 17/18 मार्च को होली तथा 10 अप्रैल को रामनवमी का त्यौहार, साथ ही 14 अप्रैल को डा. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती मनायी जायेगी। इसी के साथ 3 अप्रैल से रमजान का पवित्र माह प्रारम्भ होने वाला है तथा रमजान के पश्चात चन्द्र दर्शन के अनुसार ईद-उल-फितर का त्यौहार 3 मई को मनाया जायेगा। रामनवमी त्योहार के अवसर पर मंदिरों आदि स्थानो पर काफी भीड़-भाड़ होती है तथा कही-कही मेले का आयोजन भी होता है। मेले में भीड़-भाड़ का लाभ उठाकर अराजक तत्वो द्वारा शान्ति व कानून व्यवस्था के प्रतिकूल आचरण किया जा सकता है। होली हिन्दू समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, 17 मार्च को होलिका दहन किया जायेगा तथा 18 मार्च को लोग एक दूसरे को रंग गुलाल व अबीर आदि लगाकर खुशियां मनाते है। होलिका दहन के स्थान व रंग आदि को लेकर कभी-कभी शान्ति व कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो जाती है। डा. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के दिन झाकियां सजायी जाती है। रमजान माह मे रोजे की नमाज सकुशल तथा शान्ति वातावरण में सम्पन्न हो सके, साम्प्रदायिक दंगा एवं तनाव की स्थिति उत्पन्न न हो, इन सब बातों को देखते हुए कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखना आवश्यक है। आगामी परीक्षाए एंव त्यौहार को सकुशल एवं शान्ति पूर्वक सम्पन्न कराने तथा शान्ति व कानून व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत जनपद में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा-144 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू करना आवश्यक है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए अपर जिला मजिस्ट्रेट (वि0/रा0) अरूण कुमार सिंह दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए जनपद के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में लागू निषेधाज्ञा जो दिनांक 11 मार्च 2022 को दिनांक 12 मार्च 2022 से अगले दो माह तक के लिए निर्गत की गयी है, को अवक्रमित करते हुए निषेधाज्ञा जारी कर दी है।

होली एवं शबे बारात को लेकर गंभीरपुर पुलिस ने किया रूट मार्च

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निदेशानुसार थाना प्रभारी गंभीरपुर राम प्रसाद बिंद के नेतृत्व में आगामी त्यौहारों होली एवं शबे बरात के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस कर्मियों ने कस्बे सहीत ग्रामीण अंचलॉ में रूट मार्च किया। बता दे कि आगामी त्यौहारों को निर्भीक होकर मनाने हेतु प्रशासन ने कमर कस लिया है। इसी क्रम में सोमवार को देर शाम स्थानीय थाना प्रभारी राम प्रसाद बिंद के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों द्वारा बिंद्रा बाजार, रानीपुर रजमो, मंगरावां, रायपुर, बहोरा पुर, बरामद पट्टी,मखदुमपुर, गौरी, मोहम्मदपुर, लहबरिया,गंभीरपुर समेत अन्य क्षेत्रों में चक्रमण किया गया। और व्यापारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संवाद भी किया गया। थाना प्रभारी राम प्रसाद बिंद ने बताया कि आगामी त्यौहारों के मद्देनजर शासन एवं प्रशासन व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से दृढ़ संकल्पित है। इसी क्रम में यह रुट मार्च निकाला गया है ।और व्यापारियों के दुकानों में लगे हुए सी सी टीवी कैमरों को जांचा परखा गया ।एवं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली गई, तथा व्यापारियों को यह बताया गया कि किसी भी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है तो प्रशासन आपके साथ पूरी तरह से तैयार है। इसी क्रम में मीडिया से बात करते हुए कहा कि व्यापारी समाज बिना किसी भी प्रकार के भय के निर्भीक होकर व्यापार करें, शासन एवं प्रशासन व्यापारियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से दृढ़ संकल्पित है ।और हमेशा उनके साथ उनके सहयोग के लिए तैयार है।

मजदूर यूनियन ने किया धरना प्रदर्शन सौपा पत्रक

प्रखर पिंडरा वाराणसी। उत्तर प्रदेश खेत मजदूर यूनियन के जिला कमेटी द्वारा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर मंगलवार को तहसील पिंडरा में धरना प्रदर्शन किया और एसडीएम को राष्ट्रपति को सम्बोधित 16 सूत्रीय मांग पत्र को सौंपा। मजदूर यूनियन के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए तहसील पिंडरा पहुचे और केंद्र सरकार पर मनमानी करने, मनरेगा मजदूरों को लिंग भेद के आधार पर काम, मजदूरी व आरक्षण दिए जाने का विरोध किया और कहाकि मनरेगा मजदूरों को कम से कम 200 दिन का काम और प्रतिदिन 600 रुपये की दर से मजदूरी देने तथा लिंग, जाति के आधार पर आवंटन बन्द करने समेत 16 सूत्रीय मांगो को एसडीएम को सौंपा। इस दौरान यूनियन के जिलाध्यक्ष श्यामनारायण पटेल , जिला सचिव शंकर प्रसाद साकेत, प्रभु वनवासी,छोटेलाल, अनिल, कपूरचंद रावत व रमेश राजभर समेत अनेक मजदूर उपस्थित रहे।

समाज सेवा और देश सेवा ही जीवन का प्रथम लक्ष्य है : सुबेदार

प्रखर गाजीपुर। परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद की वीरता पूर्ण कहानी से प्रभावित होकर प्रशासनिक अनुमति लेकर पिछले दस दिनों से हमीद पार्क में अपने दो अदद सहयोगी साथी सूरज यादव और रामशीष यादव के साथ सुबेदार यादव समाजसेवी वाराणसी से आकर जमे हुए हैं। जिनका नेक इरादा अब्दुल हमीद और उनकी पत्नी की लगी मूर्ति के उपर छत लगाने का है ।भाड़ेपर लगे राजमिस्त्री के साथ निः शुल्क मजदूर के तौर पर दो साथियों संग लगे सुबेदार यादव एनसीसी और इंजीनियरिंग कर बेरोजगार होते हुए भी समाजसेवा में लगे हुए हैं। पिछले दस दिनों से क्षेत्रीय सहयोग जैसे ठहरने की और खान पान की व्यवस्था नहीं मिलने पर नाराजगी जताते हुए बताया कि पार्क में लगे खुले टीनशैड में मच्छरों के प्रकोप के बीच किसी तरह से रात बिताया जा रहा था। अब जाकर क्षेत्र के युवा समाज सेवी अनिकेत चौहान द्वारा खानपान और ठहरने का इंतजाम कराने से सहुलियत हुई है ।मौके पर छत के पहले मजबूत पीलर वास्ते बालू सीमेंट और कंक्रीट गिरे पड़े थे। थे। सुबेदार यादव खुद हाथ में झाड़ू लेकर पार्क

की साफ सफाई करने में लगे हुए थे। सुबेदार यादव से जब मन की बात जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बताया कि इरादा तो यहां तक है की ऐसा कार्य करके जाऊंगा लोग याद करेंगे। जैसे पार्क में वृक्षारोपण घास रोपड़ सौन्दर्यवर्धक इंतजाम शामिल रहेंगे। सुबेदार यादव की समाजसेवी बनने की ललक के बावत जानकारी मांगने पर उन्होंने बताया कि समाज सेवा का भाव तो बचपन से ही था। परन्तु रफ्तार एनसीसी कोर्स एवं इंजीनियरिंग करने के बाद बढ़ी।जो लोगों के सामने है।सच तो यह है की सीधा सौम्य विचार के धनी सुबेदार यादव की सामाजिक उपलब्धि किसी परिचय का मोहताज नहीं है।बात चाहे वी०एच०यू०ट्रामासेंटर स्थित परिसर में टीनशेड अनुदान की हो अथवा खुद के गांव में स्थापित वृहद व्यायाम शाला की, इसके अलावा बेजुबानों के प्रति मानवीय आत्मीयता की बात करें अथवा आदिवासी अशिक्षित समाज में शिक्षा की लौ जगाने की, सबके सब बेमिसाल हैं। यहां तक की गरीबों के आर्थिक सहायता को खुद की बाईक गिरवी रखना,और देश की आधी आबादी (नारी)समाज के प्रशिक्षण वास्ते अपना घर निशुल्क दान में देना हैरतअंगेज कारनामे है। गौरतलब हो कि सुबेदार यादव के जेहन में समाज सेवा सर्वोपरी है।

फिल्म को टैक्स फ्री एवं प्रमोट करने के लिए प्रधानमंत्री एवं सीएम योगी को धन्यवाद

फिल्म को प्रमोट करने के लिए प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद दिया

प्रखर वाराणसी। उत्तर प्रदेश में कर द कश्मीर फाइल्स को कर मुक्त करने और पूरे यूपी में फिल्म चलाने के आदेश पर राष्ट्रीय हिन्दू दल ने मुख्यमंत्री को आभार जताया। राष्ट्रीय हिन्दू दल अध्यक्ष हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय ने कल पत्र लिखकर यूपी के कार्यवाहक सीएम योगी आदित्यनाथ जी एवं देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से इस सन्दर्भ में मांग व आग्रह किया गया था और शाम को मुख्यमंत्री जी के कार्यालय से आदेश जारी होते ही देशप्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई। इसके साथ ही आज प्रधानमंत्री जी ने मिडिया संबोधन में इस फिल्म को प्रमोट करते हुए कहा कि सभी को ये देश की सच्चाई पर बनी फिल्म अवश्य देखना चाहिए। रोशन पाण्डेय ने कहा कि ये फिल्म नहीं बल्कि इस देश की सच्चाई है जिसे तमाम राजनैतिक दलों एवं सेक्युलरो द्वारा दबाने की कोशिश किया गया है हम हिंदुओं की भविष्य की खतरे से आगाह करती इस सच्चाई को अवश्य देखना चाहिए। द कश्मीर फाइल्स को त्वरित कर मुक्त करने और यूपी के हर थिएटरों में प्रदर्शित करवाने के निर्णय पर राष्ट्रीय हिन्दू दल के कार्यकर्ता महानगर अध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय हिन्दू दल की मांग मानने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद मै चाहता हूं खुद मुख्यमंत्री इसे प्रमोट करें। शाश्वत तिवारी ने कहा कि इस फिल्म से हिंदुओं को सबक लेनी चाहिए और अपने परिवार की सुरक्षा अभी से सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटना घटी तो हम मुकाबला कर सके। इस मौके पर महानगर उपाध्यक्ष दीपक केशरी जी, मुकेश मोदनवाल, सुजित सिंह,पवन जी,शाश्वत तिवारी जी समेत सभी लोगों ने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं योगीजी के प्रति आभार प्रकट किया और उन्हे साधुवाद दिया है।

एमएलसी चुनाव के लिए सपा प्रत्यासी के रूप में पं.भोला नाथ शुक्ल ने खरीदा नामांकन पत्र

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र गाजीपुर से विधान परिषद सदस्य के लिए समाजवादी पार्टी ने पं.भोला नाथ शुक्ल को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। पं.भोला नाथ शुक्ल भदोही जनपद के सुरियावां गांव के निवासी हैं । 2017 में मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। 2015 में सुरियावां ब्लाक से प्रमुख का चुनाव भी लड़ चुके हैं। उन्होंने मंगलवार को जनपद में आकर नामांकन पत्र खरीदा। नामांकन पत्र खरीदने के पश्चात उन्होंने पार्टी कार्यालय समता भवन पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के सभी नेताओं एवं कार्यकताओं से सहयोग एवं समर्थन की अपील किया। बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष रामधारी यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष सुदर्शन यादव, मुन्नन यादव, जिला मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष दिनेश यादव, निजामुद्दीन खां, राकेश यादव, रामलाल प्रजापति, बृजकिशोर यादव, वंशबहादुर कुशवाहा, रामनगीना यादव, चन्द्रिका यादव, रमेश यादव, छन्नू यादव, आजाद, कमला यादव आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मिजार्मुराद क्षेत्र में हरे पड़ो की कटाई जोरों पर

प्रखर वाराणसी। मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के ठटरा गांव में वन माफियो ने रात में लगभग 14 हरे -भरे बड़े विशाल सागवन पेड़ों को काटकर धरासाही कर दिए तथा रातों रात लकड़ी ले जाने में कामयाब रहे तथा काटे गये वृक्षो के सबूत को मिटाने के लिए पेड़ों के जड़ो के पास भर दिए पानी। पेड़ के कटाई की विडियो वायल होने पर मिजार्मुराद पुलिस 48 घन्टे बाद दर्ज की एफआईआर। पुलिस व कुछ मिडियाकर्मी मामले को दबाने का किए प्रयास। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार हर वर्ष वृक्ष लगवाती है चंद पैसों के लालच में वन माफिया हरे पेड़ो काटकर उठा ले जाते आखिर क्या कारण है कि वन माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई नही होती । पुलिस या वन विभाग से पूछे जाने पर इन सभी प्रकरण में अन्भीगता जाताती है क्षेत्रीय लोगों मे चिन्ता का विषय बना है कि अगर मिजार्मुराद थाना क्षेत्र मे पड़ो की कटाई नही रूकी तो क्षेत्र वासियो का रहना दुसवार हो जायेगा । तथा क्षेत्र में आक्सीजन की कमी होना स्वाभाविक है ।

प्रदेश स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में रैय्यान ने जीता गोल्ड

प्रखर संतकबीरनगर। ओकिनावारा उत्तर प्रदेश कराटे चैंपियनशिप 2022 में प्रतिभागियों ने जमकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। 13 मार्च मेरठ में आयोजित ओ. के. के. एफ. उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश कराटे प्रतियोगिता में 200 बच्चों ने प्रतिभाग किया इसमें अलीगढ़,गाजियाबाद,नोएडा,बुलंदशहर, मेरठ इत्यादि टीमें शामिल हुई थी। जिसमें कराटे चैंपियन अकेडमी अलीगढ़ के छात्रों ने भी भाग लिए और विजेता रहे।इस दौरान सेमरियावां विकास के सेहुंडा निवासी लगभग 15 वर्षीय छात्र रैय्यान दुरार्नी जोकि अलीगढ़ स्थित कराटे चैंपियन अकेडमी के छात्र हैं उन्होंने बेहतर खेल का प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। जिसमें बालक में अदीब आलम खान,मोहम्मद हमजा ने भी स्वर्ण पदक जीता` वहीं अलतामश हबीब,मोहम्मद उबैद और शाकिर मालिक ने अपनी एकेडमी के लिए ने रजत पदक प्राप्त किया` असाज आलम और मोहम्मद सुफियानने कांस्य पदक प्राप्त किया । वहीं इस दौरान कराटे चैंपियन एकेडमी के एथलीटों ने अपने मुख्य प्रशिक्षक नसीम खान की अगुवाई में इस टूनार्मेंट में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। एथलीटों का हौसला अफजाई बढ़ाने के लिऐ टीम कोच मोहम्मद उजैर और टीम मैनेजर इफ्तिखार आलम खान,आजम भाई और गुलरेज भाई भी उपस्थित रहें। सेहुंडा निवासी रैय्यान दुरार्नी फिलहाल अलीगढ़ स्थित एक कराटे चैंपियन एकेडमी के छात्र हैं और लगातार संघर्ष कर रहे हैं।उनकी इस उपलब्धि पर लोगों ने बधाईयां दी हैं।स्थानीय निवासी पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे, प्रमुख प्रतिनिधि मुमताज अहमद, पूर्व प्रमुख महमूद आलम,जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मो.अहमद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महताब आलम,ग्रा.प.ए.खलीलाबाद अध्यक्ष मो.अदनान,अफजाल अहमद,गुफरान आजम समेत अन्य लोगों ने इस उपलब्धि पर बधाई दी हैं।

विशाल सिंह चंचल के लिए चार सेटों मे खरीदा गया नामांकन पत्र

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्थनीय निकाय विधान परिषद चुनाव के आज अधिसूचना जारी होते ही भाजपा प्रत्याशी के रूप मे विधानसभा परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल के लिए उपेन्द्र यादव ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि देवकली एवं राजदेव यादव ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गाजीपुर सदर ब्लाक ने अलग अलग चार सेटों मे नामांकन पत्र चुनाव अधिकारी अरुण कुमार सिंह (अपर जिलाधिकारी) से खरीद किया। इस अवसर पर मनिहारी ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि योगेन्द्र सिंह ने कहा कि गाजीपुर के कर्मठ युवा होनहार विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल के लोकप्रिय निष्पक्ष कार्यों से प्रभावित होकर गाजीपुर जिले के सभी पंचायत प्रतिनिधि एवं नगर निकाय प्रतिनिधियों ने एक बार पुनः स्थानीय निकाय (विधान परिषद) के चुनाव मे भारी मतो से जिताने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर बिरनो ब्लाक प्रमुख राजन सिंह, शशिपाल उर्फ घुरा सिंह, हकाडू सिंह, पप्पु सिंह प्रतिनिधि, प्रदीप पाठक आदि उपस्थित थे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं